



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 17]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 29, 1978 (वैशाख 9, 1900)

No. 17]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 29, 1978 (VAISAKHA 9, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)  
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)  
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .

भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . .

भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्ट . . . .

भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी की गई विधि के अन्तर्गत बनाए और

पृष्ठ		पृष्ठ
377	भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . .	937
543	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी की गई आदेश और अधिसूचनाएं . . . .	1193
—	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश . . . .	89
387	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . .	2309
—	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस . . . .	305
—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं . . . .	—
—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . .	1003
	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस . . . .	69

## CONTENTS

PAGE		PAGE	
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non- Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .	377	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories ..	937
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appoint- ments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Minis- tries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .	543	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1193
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non- Statutory Rules, Regulations, Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence .. .	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	89
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appoint- ments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	387	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordi- nate Offices of the Government of India ..	2309
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regu- lations .. .	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	305
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commis- sioners .. .	—
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Sta- tutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertise- ments and Notices issued by Statutory Bodies .. .	1003
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. .	69

## भाग I—खण्ड 1

### PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विभिन्नतये तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

#### राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1978

सं० 24-प्रैज़/78—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री महाबीर प्रसाद त्यागी, (स्वर्गीय)

पुलिस निरीक्षक,

देहरादून,

उत्तर प्रदेश।

श्री विद्या प्रकाश अवस्थी,

पुलिस उप-निरीक्षक,

देहरादून,

उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

6 दिसम्बर, 1975 को स्टेट बैंक आफ इण्डिया खतौली में सनसनी पैदा कर देने वाली डकैती आली गई और अपराधी एक चपरासी तथा एक बैंक गार्ड को मारने के बाद 7 लाख रुपए लेकर भाग गए। छान बीन से पता लगा कि यह अपराध मुजफ्फर नगर के तीन निवासियों ने किया था। उनमें से एक 30 दिसम्बर, 1975 को गिरफ्तार कर लिया गया था और उसने अन्य दो संदिग्ध अभियुक्तों के नाम बता दिए। 1 जून, 1976 को निरीक्षक महाबीर प्रसाद त्यागी को विश्वस्त सूचना मिली कि अपेक्षित व्यक्ति चण्डीगढ़ में एक राजा और दूसरा उसके सचिव के बीच म रह रहे हैं। अतः वह सादे कपड़ों में अन्य पुलिस अधिकारियों के हाथ तुरन्त चण्डीगढ़ पहुंचे। 2 जून, 1976 को निरीक्षक महाबीर प्रसाद त्यागी ने आत ताइयों को चण्डीगढ़ के एक होटल से निकलते हुए देखा चूंकि स्थानीय पुलिस को सूचित करने तथा उनकी सहायता प्राप्त करने के लिए समय नहीं था, पुलिस अधिकारियों ने अपने जीवन को खतरे में डालते हुए उन दोनों अभियुक्तों को पकड़ने का कार्य स्वयं अपने ऊपर ले लिया जो खतरनाक अपराधी मशहूर थे और हत्या और लूट आदि के अनेक जघन्य अपराधों में अन्तर्गत थे। पुलिस अधिकारियों ने अपना परिचय दिया और अभियुक्तों से आत्म समर्पण करने के लिए कहा। उनमें से एक ने तुरन्त चाकू निकाला और वह श्री महाबीर प्रसाद त्यागी पर हमला करने ही वाला था कि उन्होंने अपराधी के दाये हाथ को कसकर पकड़ लिया। फिर उसने अपने दूसरे हाथ से अपनी पतलून की जेब

से भरी हुई पिस्तौल निकालने की चेष्टा की। पुलिस दल के श्री जे० पी० सिंह ने उसका हाथ पकड़ लिया और उसे पिस्तौल निकालने से रोक दिया। बच निकालने के प्रयास म अभियुक्त ने श्री त्यागी के बाजू में जोर से काट लिया और कई बार श्री त्यागी की छाती म अपना सिर मारा जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गए। दूसरे अभियुक्त ने भी अपनी जेब से पिस्तौल निकालने का प्रयास किया किन्तु श्री विद्या प्रकाश अवस्थी ने उसे कसकर पकड़ लिया। तब अभियुक्तों ने शोर मचाकर कि उनका अपहरण किया जा रहा है जनता को सहानुभूति प्राप्त करने की कोशिश की। भगवें के कारण लोगों का ध्यान उनकी ओर आकर्षित हुआ और शीघ्र ही पुलिस ने आकर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक स्टेनगन के साथ 2,71,668.25 रुपए बरामद हुए। इतने में निरीक्षक महाबीर प्रसाद त्यागी बेहोश हो गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया जहां धावों के कारण 17 दिन के बाद उनकी मृत्यु हो गई।

इस कार्यवाही में श्री महाबीर प्रसाद त्यागी और श्री विद्या प्रकाश अवस्थी ने साहस, पहल शक्ति, दृढ़ निश्चय और उच्च-कोटि की कर्तव्यपरायनता का परिचय दिया।

2 मे पदक पुलिस पदक नियमाबली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिए जा रहे हैं तथा फल स्वल्प नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भरता भी दिनांक 2 जून, 1976 से दिया जाएगा।

सं० 25-प्रैज़०/78—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अहमदुल्ला खां, (स्वर्गीय)

पुलिस उप निरीक्षक,

मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

1/2 मार्च, 1976 को रात को 1 बजकर 45 मिन्ट पर साबरमती इक्सप्रेस, जो वाराणसी और अहमदाबाद के बीच चलती है, उत्तर प्रदेश में पामा रेलवे स्टेशन से चली। सहसा रेलगाड़ी के बो टायर के एक डिब्बे में यात्रा कर रहे 4 व्यक्तियों ने डिब्बे के यात्रियों को मारना तथा उनके सामान को लूटना आरम्भ कर दिया। उनमें से तीन पिस्तौलों से और दूसरे चाकूओं से लैस थे। उत्तर प्रदेश पुलिस के उप निरीक्षक देव सिंह और मध्य प्रदेश पुलिस के उप निरीक्षक अहमदुल्ला खां भी उसी

कम्पार्टमेंट में यात्रा कर रहे थे। भारी खतरे की परवाह किए बिना दोनों उप निरीक्षकों ने डाकुओं को ललकारा और यात्रियों से कहा कि वे साहस के साथ उनका मुकाबला करें। उप निरीक्षकों को बहुत देखकर डाकुओं ने उन पर गोली चला दी। सोमध्यवश श्री देव सिंह बच गए, किन्तु श्री अहमदुल्ला खां को गोली लग गई और वे घटनास्थल पर वीरगति को प्राप्त हो गए। बाद में डाकुओं ने रेलगाड़ी रोकी और लूटी हुई सम्पत्ति के साथ बचकर भाग गये।

इस घटना में श्री अहमदुल्ला खां बड़े साहस, पहल शक्ति और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

२ यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम ४(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम ५ के अन्तर्गत विशेष स्वीकृति भत्ता भी दिनांक २ मार्च, १९७६ से दिया जाएगा।

सं० २६ प्रैज०/७४—राष्ट्रपति असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

#### अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री अरुण चन्द्र देव,  
कम्पनी हवलदार मेजर,  
छठी बटालियन,  
कैथल, असम।

श्री विधू भूषण चक्रवर्ती,  
हवलदार,  
छठी असम पुलिस बटालियन,  
कैथल, असम।

श्री कुतुबुद्दीन बोर्भुयन,  
संशस्त्र शाखा, कांस्टेबल सं० ५६०  
छठी असम पुलिस बटालियन  
कैथल, असम।

#### सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

७ दिसम्बर १९७६ को बाहुदरापर जिला कछार में सशस्त्र विरोधियों के एक गिरोह की उपस्थिति के बारे में सूचना मिली। कम्पनी हवलदार मेजर बाहु चौकी के प्रभारी श्री अरुण चन्द्र देव ने तुरन्त ही एक छापामार दल गठित किया। विरोधियों के शिविर पर पहुंचने पर अपने दल को तीन भागों में विभाजित किया एक विरोधियों पर आक्रमण करने के लिये दूसरा विरोधियों के बचने के रास्ते को रोकने के लिए और तीसरा अपनी दल की कवरिंग फायर के लिए। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए श्री देव ने विरोधियों के विरुद्ध जो बड़ी सुरक्षित स्थिति में थे आक्रमणकारी दल का स्वयं नेतृत्व किया। जैसे ही पुलिस दल उनके पास पहुंचा विरोधियों ने गोली चला दी। पुलिस दल ने भी जवाब में गोली चलाई। मुठभेड़ के दौरान हवलदार विधू भूषण चक्रवर्ती ने एक विरोधी को एक आड़ी में छिपे हुए देखा जो पुलिस दल को अपनी राइफल का निशाना बना रहा था। बड़ी सुझ-बूझ के साथ और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए श्री चक्रवर्ती विरोधी के मोर्चे की ओर

लपके और अपनी स्टेनगन से गोली चलाकर उसे मारने में सफल हो गए। श्री कुतुबुद्दीन बोर्भुयन ने जिन्हें कवरिंग फायर देने के लिए तैनात किया गया था यह देखकर कि विरोधियों को पीछे हटकर घने बन की ओर भाग जाने की सम्भावना है तो वह भारी कठिनाइयों के होते हुए उनके पास चले गए और अपनी स्टेनगन से गोली चलाकर उनको काफी आघात पहुंचाई। वे एक विरोधी को मारने में सफल हुए और उनके इस कार्य से आक्रमणकारी दल आगे बढ़ने तथा दूसरों पर आक्रमण करने से समर्थ नहुआ। भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद पकड़ा गया।

इस कार्यवाही में श्री अरुण चन्द्र देव श्री विधू भूषण चक्रवर्ती और श्री कुतुबुद्दीन ने बहादुरी साहस दृढ़ निश्चय और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम ४(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम ५ के अन्तर्गत विशेष स्वीकृति भत्ता भी दिनांक ७ दिसम्बर १९७६ से दिया जाएगा।

सं० २७-प्रैज०/७४—राष्ट्रपति दिल्ली पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं।

#### अधिकारी का नाम तथा पद

श्री ओम प्रकाश	(स्थानापन्न)
उप निरीक्षक सं० २६४/झ०	
दिल्ली पुलिस	
दिल्ली।	

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

३० अप्रैल १९७३ को श्री ओम प्रकाश दिल्ली बन्द के सम्बन्ध में मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र में गश्ती ड्यूटी पर थे। प्रायः लगभग १० बजकर १५ मिनट पर उनको सूचना मिली कि एक उप द्रवी भीड़ ने एक छापेखाने को घेर रखा है। जैसे ही घटनास्थल पर पहुंचे तो उन्होंने भीड़ द्वारा बिल्डिंग को आग लगाते हुए देखा। बिल्डिंग का मालिक और उसके परिवार के सदस्य अनंदर फंस गए थे। श्री ओम प्रकाश अपने जीवन का खतरा मोल लेकर बिल्डिंग के अनंदर गए और मालिक और उसके परिवार के सदस्यों को एक एक करके बाहर निकाला और उनको पुलिस की गाड़ियों तक ले गए जो मकान के बाहर प्रतीक्षा कर रही थीं। कुद्द भीड़ ने पथरों और लाठियों से गाड़ियों पर आक्रमण किया किन्तु पुलिस दल परिवार को सुरक्षित ले जाने में सफल हो गया। गाड़ियों के चले जाने के बाद भीड़ ने श्री ओम प्रकाश से बदला लेने का प्रयत्न किया और उन्हें निर्दयता से मारा। हिसक भीड़ के आक्रमण का अकेले सामना न कर पाने के कारण वे जमीन पर गिर पड़े किन्तु इतने में और पुलिस कुमुक आ जाने से उन्हें बचा लिया गया।

श्री ओम प्रकाश ने इस प्रकार वीरता साहस दृढ़ निश्चय तथा उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

२ यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम ४(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम ५ के अन्तर्गत विशेष स्वीकृति भत्ता भी दिनांक ३० अप्रैल १९७३ से दिया जाएगा।

कें सी० मादप्या, राष्ट्रपति के सचिव

## योजना आयोग

## संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० 11-2/74-भा० जा० सं०—भारत और जापान में आर्थिक विकास के अध्ययन से संबंधित जो समिति योजना आयोग के दिनांक 1 जून, 1962 के संकल्प संख्या एफ-13(39)/62 प्रशा०-1 के अधीन स्थापित की गई थी और योजना आयोग के दिनांक 14 सितम्बर, 1976 के संकल्प संख्या 11-2/74-भा० जा० सं० के अधीन पिछली बार पुनर्गठित की गई थी वह निम्नलिखित रूप में और भी पुनर्गठित की गई है:—

श्री बद्रुद्दीन तथ्यब जी	अध्यक्ष
श्री बी० जी० राज्याध्यक्ष	सदस्य
डा० एम० एस० स्वामीनाथन	सदस्य
डा० बी० बी० मेहता	सदस्य
श्री चरत राम	सदस्य
डा० फैदी मेहता	सदस्य
2. योजना आयोग में निदेशक श्री आर० पी० एस० वर्मा इस समिति के सचिव होंगे।	

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों, राज्यों के सभी मुख्य मंत्रियों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति के सचिव, राष्ट्रपति के सैनिक सचिव, और विदेशों में स्थित सभी दूतावासों के अध्यक्षों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इसकी एक प्रति भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाए।

कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

विधि, न्याय और कपनी कार्य मंत्रालय  
कपनी कार्य विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 अप्रैल 1978

सं० 27/26/78-सी० एल०-2—कपनी अधिनियम, 1956 की धारा 209 क की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त धारा 209क के उद्देश्य के लिये प्रादेशिक निदेशक, कपनी विधि बोर्ड, कलकत्ता के कार्यालय के निरीक्षक अधिकारी श्री बी० पी० कपूर को प्राधिकृत करती है।

एन० एल० पिल्लै, अवर सचिव

## गृह मंत्रालय

## कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० 4/13/78-के० सं०(I)—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के निम्नलिखित ग्रेड-I अधिकारियों को, राष्ट्रपति सहर्ष

उसी सेवा के सेलेक्शन ग्रेड में, प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से, स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:—

## सर्वश्री

- |   |           |
|---|-----------|
| 1. एम० पी० रोडरिस<br>(गृह मंत्रालय)               | 1-1-1975  |
| 2. के० एम० बनोट<br>(बान विभाग)                    | 1-4-1975  |
| 3. आर० एल० मोहन<br>(सिंचाई विभाग)                 | 1-5-1975  |
| 4. एस० सी० बटनागर<br>(व्यव विभाग वित्त मंत्रालय)  | 1-8-1975  |
| 5. एम० जी० थोमस<br>(विमान महानिदेशक का कार्यालय)  | 1-8-1975  |
| 6. ए० डी० चटर्जी<br>(रक्षा मंत्रालय)              | 1-11-1975 |
| 7. ओ० पी० मेहरा<br>(वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग) | 1-10-1976 |
| 8. हरिष्चन्द्र<br>(सांख्यिकी विभाग)               | 1-10-1976 |
| 9. एस० एस० प्रधान<br>(सिंचाई विभाग)               | 1-1-1977  |

के० एल० रामाचन्द्रन, उप सचिव

## नियम

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1978

सं० 11013/1/77-ई० एस०—निम्नलिखित सेवाश्रों में ग्रेड IV की रिक्तियों को भरने के लिए 1978 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं:—

- भारतीय अर्थ सेवा, और
- भारतीय सांख्यिकीय सेवा।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण सरकार द्वारा यथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है:—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, [अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों सुचियां (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन

अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956 संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959, [अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962 संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश 1964 संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968, संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968 और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिणामित 1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

#### 4. उम्मीदवार—

- (क) भारत का नागरिक, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा,  
अवश्य हो, या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों, जांबिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर आया हो।

परन्तु (ख), (ग) (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजीबिलीटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किंतु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5(क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1978 को 21 वर्ष पूरी हो गई हो किंतु 26 वर्ष न हुई हो, प्रथम उसका जन्म 2 जनवरी, 1952 से पहले और 1 जनवरी 1957 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में दृढ़ दी जाएगी :—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होतो अधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत से प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।
- (vi) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पात्र पत्र हो) और उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक तीन वर्ष।
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

- (ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांति-ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांति-ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के रक्षा कार्मिकों के लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (xii) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जातिके हों अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रव्रज्ञन किया हो या जांबिया, मलायी, जैरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(ग) ऐसा उम्मीदवार जो निर्णयिक तारीख अर्थात् पहली जनवरी, 1978 को निर्धारित ऊपरी आयु-सीमा से अधिक आयु का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात स्थिति की अवधि के दौरान अभिकथित राजनीतिक कार्यकलापों या सत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से संबंधित होने के कारण भारत रक्षा तथा आंतरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरफ्तार या कैद हुआ था और इस प्रकार उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु-सीमा के अन्दर होते हुए भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था, इस शर्त पर परीक्षा में बैठने का पात्र होगा कि जून, 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान वह परीक्षा में कम से कम एक बार भी नहीं बैठ पाया हो अर्थात् (उसने परीक्षा छोड़ दी हो)।

टिप्पणी :—इस रियायत के अन्तर्गत जो कि 31-12-79 के बाद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिए आवश्यक एक से अधिक अवसर नहीं दिया जाएगा।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित तारीख में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

6. भारतीय अर्थ सेवा के लिए उम्मीदवार के पास केंद्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय को या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं को अर्थशास्त्र या मांडियकी विषय सहित डिग्री होनी चाहिए और भारतीय सांख्यिकीय सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास सांख्यिकी या गणित या अर्थशास्त्र विषय सहित डिग्री अथवा उसके समरूप योग्यता होनी चाहिए।

टिप्पणी I : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किंतु अभी उसे परीक्षा परिणाम को सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार को अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम भानी जाएगी। और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 1 दिसम्बर, 1978 तक प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी II : विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पास पूर्वोक्त योग्यताओं में से कोई भी योग्यता न हो बश्यतें कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण की हों जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसकी परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

टिप्पणी III : यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा अर्हता प्राप्त हो, किंतु उसने किसी विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित फीस अवध्य देनी होगी।

जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हो वाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हो, पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हो, उन सबको अपने कार्यालय/ विभाग के प्रधान की ओर से आयोग के नोटिस के अनुबंध के पैरा 2 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार ‘अनापत्ति प्रमाण-पत्र’ प्रस्तुत करना होगा।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को पात्रता या अपात्रिता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

## 11. जिस उम्मीदवार ने

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए अधिकारीन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य माध्यन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनम तथ्यों में फेर-बदल किया गया हो, अथवा
- (v) गलत या शुद्ध वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के संबंध में किन्हीं लन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अमव आशय की हों, अथवा
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्बंधहार क्या हो, अथवा
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (xi) पूर्वांकित खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवधिकारी करने का प्रयास किया हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीकृत्यान) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—  
(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अप्रोग्राम ठहराया जा सकता है, अथवा  
(ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अधिकार के लिए
- (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से  
(ii) कोंद्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवर्जित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विश्वद उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेगा जिसने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करें तो उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार इन जातियों के

लिए आरक्षित व्यक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाया जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए अनुशंसा की जाएगी उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर जितनी अनारक्षित रिक्तियों को भरने का निर्णय किया जाता है ये नियुक्तियां उनकी देखकर होंगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों तो उनके आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हो, नियुक्ति के लिए उनकी अनुशंसा की जा सकेगी, बशर्ते कि ये उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पता चार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में वैठ रहा हो, तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र देते समय व्यक्त किए गए वरीयता क्रम पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए कि जिससे सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों को डाक्टरी परीक्षा करायी जा सकती है।

टिप्पणी :—रहीं निराण न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार को किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके ब्यारे इन नियमों के परिशिष्ट

III में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त हुए सैनिकों की और 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा दल के कार्मिकों की सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

#### 18. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया हो, जिसका पहले से जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में दिया गया है।

पी० जी० लेले, अवृत्त सचिव

#### परिशिष्ट-I

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।  
भाग-I—नीचे दिखाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग-II—आयोग द्वारा जिन उम्मीदवारों को बुलाया जाता है, उनके लिए मौखिक परीक्षा [इस परिशिष्ट की अनुसूची का भाग (क) देखिए] जिसके पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग-I के अंतर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्नपत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है:

क्रमांक	विषय	पूर्णांक	निर्धारित समय
1	2	3	4
<b>क. भारतीय अर्थ सेवा</b>			
1.	सामान्य अंग्रेजी	150	3 घण्टे
2.	सामान्य अध्ययन	150	3 घण्टे
3.	सामान्य अर्थशास्त्र I (भाग I और II)	200	भाग I-1 घण्टा) } भाग II-2 घण्टे } 3 घण्टे
4.	सामान्य अर्थशास्त्र II (भाग I और II)	200	भाग I-1 घण्टा) } भाग II-2 घण्टे } 3 घण्टे
5.	भारतीय अर्थशास्त्र (भाग I और II)	200	भाग I-1 घण्टा) } भाग II-2 घण्टे } 3 घण्टे

	1	2	3	4
<b>ख. भारतीय सांख्यिकीय सेवा</b>				
1.	सामान्य अंग्रेजी	150	3 घण्टे	
2.	सामान्य अध्ययन	150	3 घण्टे	
3.	सांख्यिकीय I	200	3 घण्टे	
4.	सांख्यिकीय II	200	3 घण्टे	
5.	सांख्यिकीय III	200	3 घण्टे	

**नोट I**—सामान्य अंग्रेजों और सामान्य अध्ययन विषयों पर प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुप्रक व्रशन पूछे जायेंगे।

**नोट II**—भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 के विषयों से संबंधित प्रश्नपत्र के भाग I में केवल वस्तुप्रक व्रशन पूछे जायेंगे और इन विषयों के प्रश्नपत्रों के भाग II में संक्षिप्त उत्तर और निबन्ध वाले प्रश्न पूछे जायेंगे।

**नोट III**—भारतीय सांख्यिकी सेवा के क्रमांक 3 और 4 विषयों के प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुप्रक व्रशन पूछे जायेंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्न पत्र में निबन्ध वाला प्रश्न पूछा जायेगा।

**नोट I**—अन्य विवरण के लिये, जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्न पत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुप्रक व्रशन भी शामिल हैं, परिशिष्ट I पर उम्मीदवारों की विवरणिका देखिये।

**नोट**—उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिये गये हैं।

3. सभी प्रश्नपत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखने चाहिये।

4. उम्मीदवार को प्रश्नपत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिये किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिये जायेंगे।

7. केवल सतही ज्ञान के लिये कोई अंक नहीं दिये जायेंगे।

8. कम से कम शब्दों में सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यञ्जना को श्रेय दिया जायेगा।

9. प्रश्नपत्रों में, जहां आवश्यक हो, तोलों और मापों को केवल मैट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।

#### अनुसूची भाग 'क'

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिप्ली परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह श्रेष्ठता की जाती है कि वे सिद्धान्त को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धान्त को सहायता से समस्याओं का

विश्लेषण करे। अर्थशास्त्र और साहियकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनमें आशा की जाती है कि वे भारतीय समरथाओं में विशेष रूप से परिचित हो।

### सामान्य अध्येता

प्रश्न इस प्रकार पूछे जायेंगे जिसमें उम्मीदवारों को अंग्रेजी समझने और अमरजी शब्दों को कुशल प्रयोग करने की क्षमता की जाच हो सके।

### सामान्य अध्ययन

‘सामान्य अध्ययन’ के प्रश्न पत्र में वर्तमान घटनाक्रम का जानकारी शामिल होगी और कुछ ऐसे मामले भी होंगे जो देनदिन निरीक्षण और अनुभव से सम्बन्धित हैं और जिनको वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एक पढ़ा लिखा आदमी समझा सकता है। इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से सम्बन्धित प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर विशेष अध्ययन के बिना ही उम्मीदवार दे सके।

### सामान्य अर्थशास्त्र

उपभोक्ता की मांग का सिद्धान्त . तटस्थता वक्र विश्लेषण प्रकट अधिमानता अभिगम।

उत्पादन का सिद्धान्त : उत्पादन के तत्व : उत्पादन क्रत्य, प्रतिफल के नियम, प्रतिष्ठान और उद्योग का संतुलन।

मूल्य का सिद्धान्त विपणि व्यवस्था के विभिन्न रूपों में मूल्य निर्धारण; सार्वजनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण का सिद्धान्त उत्पादन के तत्वों को मूल्यन; भाड़ा, मजदूरी, ब्याज और नाभ के सिद्धान्त—विणाल वितरण सिद्धान्त—संकलन समस्या—आय वितरण में असमानताएँ।

कल्याणमूलक अर्थ घास्त : प्राचीन और नवीन कल्याण मूलक अर्थशास्त्र—क्षेत्रिक नियम, नीतिमूलक ग्रंथिया।

राष्ट्रीय आय को ग्रवधारणा-सामाजिक लेखा/नियोजन का सिद्धान्त—निपण और मुद्रास्फीति-शास्त्रीय और नवशास्त्रीय अभिगम नियोजन के सम्बन्ध में कोन्स का सिद्धान्त और कोन्स के बाद की गतिविधियाँ।

### सामान्य अर्थशास्त्र-II

आर्थिक विकास की अवधारणा और उसका मापन-विकास के सिद्धान्त।

विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएँ—जन-संस्क्या वृद्धि और आर्थिक विकास।

आयोजन : अवधारणा और पद्धतिया—आर्थिक संगठन को पूजीबादी और समाजबादी प्रणालियों के अन्तर्गत आयोजन—मिश्रित अर्थ व्यवस्था में आयोजन—परिदृष्ट्यात्मक आयोजन—क्षेत्रीय आयोजन—निवेश के निधारिक और प्रविधियों का चयन।

अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्री। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त व्यापार गे नाभ—व्यापार की शर्तें—व्यापार नीति अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास—व्यापार शल्क पद्धति के सिद्धान्त।

भुगतान संतुलन—भुगतान संतुलन में असमानताएँ—मपजां की पांडिया—विदेश व्यापार गणक—विनियम की दर—आयात और विनियम के नियन्ता।

आई० एम० एफ० और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा सुधार जी० ए० टी० टी० आर्थिक विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगता—प्राई० बी० प्रार० डी० और उनके अनुवध।

मुद्रा उम्मका मूल्य और प्रयोजन—मुद्रा नीति केन्द्रीय और वाणिज्यिक प्रैंसों के लाभ।

राजनीतीय नीति और उसके नियम के व्यवस्था—काराधारन का प्रभाव और घटन—घाटे की वित्त व्यवस्था—सार्वजनिक ऋण का विद्वान्त—

प्रथशास्त्र में मालियकी का प्रयोग—साहियकीय ग्रामस्ते और विचलन के गाप मूल्यों और परिमाणों के सूचकाक—उनकी सीमाएँ।

### भारतीय अर्थशास्त्र

भारतीय अर्थ व्यवस्था के बुनियादी लक्षण विकास तंत्र—आपि और उद्योग की भूमिका—विदेश व्यापार की भूमिका—संतुलित विकास की अवधारणा।

आयोजन उद्देश्य प्राथमिकताएँ और समस्याएँ—पंचवर्षीय योजनाएँ—साधन सपादन की समस्या।

कृषि . नया कृषि तंत्र—भू सम्बन्ध और भू-सुधार—देहाती माध्य—गिराई और उर्वरकों का स्थान—कृषि विपणन—कृषि उत्पादों के मूल्य फसल आयोजन—सामुदायिक विकास—उपाजीविका और ग्रामोद्योग।

महकारिता : ग्रामीण विकास में इसका स्थान—भारत में महकारी आदोत्तन का विकास।

उद्योग श्रीद्योगिक विकास का व्यूह—स्थल निर्देश की समस्या—वृद्धाकार और दध उद्योगों की समस्याएँ—श्रीद्योगिक नीति—श्रीद्योगिक सपदाएँ—श्रीद्योगिक वित्त के संसाधन—विदेशी पूजी की भूमिका सार्वजनिक उद्यम : संगठन . प्रबन्ध नियवण और गमर्थनीयता, मूल्य नीति।

श्रम . रोजगारी, बेरोजगारी और कम रोजगारी—श्रीद्योगिक सम्बन्ध और श्रम कल्याण—श्रम नीति—मजदूरों, मूल्य और आय नीति—विदेशी व्यापार . भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विषेषताएँ—विदेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार भुगतान संतुलन —

मुद्रा और बैंकिंग : भारतीय मुद्रा विपणी का संगठन—वाणिज्यिक बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंक की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति—

सार्वजनिक वित्त . वित्तीय नीति—सार्वजनिक व्यय की वृद्धि कराधारन नीति—संघ और गज्य सरकारों के लिए राजस्व के प्रमुख स्रोत—गार्वजनिक ऋण नीति—घाटे की वित्त व्यवस्था —संघ और राज्यों के बीच वित्तीय सम्बन्ध—

सांख्यिकी—I

**नोट :** केवल बरनु परक (बहुविकल्पक) प्रणन पूछे जाएंगे। प्रायिकता (40 प्रतिशत प्रधानता)—माप सिद्धान्त के तथ्य—प्रसिद्ध परिभाषाएँ और स्वयं निर्द अभिगम—प्रतिदर्श अवकाश—संकुल और मन्त्रिलिंग प्रायिकता के नियम—॥ घटनाओं में में ॥ घटनाओं की प्रायिकता प्रतिवर्धित प्रायिकता—बैयर्म ना प्रमेय—गांयोगिक विचरण—विराग और अविरल वितरण कार्य—मानक प्रायिकता वितरण—बनानीली, ममस्य द्विपदीय, पाइसन, ज्यामितीय, आयत, धातीय, मामान्य, यानी, पराज्यामितीय, बहुपदीय, नालेस, अट्टणडिपदीय, बीटा, गामा, लघु मामान्य तथा संवित पाइसन वितरण—अभिगमण वितरण में, प्रायिकता में और प्रायिकता एक के साथ और माध्य वर्ग में—अधूर्णन और सचायक—गणितीय अपेक्षा और प्रतिबंधित अपेक्षा—लक्षणात्मक फलन और याधूर्ण तथा प्रायिकता जनक फलन—विलोम—विलक्षणता और सात्य प्रिद्वान्त टेकेवाइचेक और कोल्मोगोरोव असमानताएँ—बृहत् संख्या नियम और स्वतंत्र विचरणों के लिए केन्द्रीय मीमा सिद्धान्त।

सांख्यिकीय पद्धतिया (45 प्रतिशत प्रधानता)

तथ्यों का संग्रह, संकलन और प्रस्तुतीकरण—चार्ट, उदाहारण और हिस्टोग्राम आवृत्ति वितरण—निर्देशन, विशेषण और विषमता का माप छिचर और बहुचर तथ्य—शाहतर्य और आसंग—वक्र समंकन और लांबिक बहुपद—छिचर विवरण द्विचर सामान्य वितरण—समाधयण, रेखीय, बहुपदीय—सहसम्बन्ध गुणाक का वितरण आणिक और बहुल संज्ञानवृत्त अन्तर्वर्णीय सहसम्बन्ध—सहसम्बन्ध अनुपात—

मानक त्रुटिया और बृहत् प्रतिदर्श परीक्षण—प्रातिशंख वितरण—x, s, t, Chi—वर्ग और F इन पर आधारित प्रमुखता परीक्षण—

गैर-परामितीय परीक्षण—साइन-मोडियन, रन विलानाक्सन, मैनविटनी, वाल्ड वुल्फोविट्ज आदि—यरीयता क्रम सांख्यिकी अत्यतम, अधिकतम, रेज और मोडियन

आकड़ों का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

गारेन, न्यूटन येररी, न्यूटन (विभाजित अन्तर), गास और स्टेलिंग पर प्रचलित अंतर्वेशन सूत्र (शेष संभावना गहित) —यूलर मैक्लारिन का संकलन सूत्र—विलोम अंतर्वेशन—आकड़ों का समाकलन और अवकलन प्रथम गुणाक का विभेद समीकरण—स्थिर गुणकों के साथ एकधातीय विभेद समीकरण—

सांख्यिकी—II

**नोट :** केवल बस्तुपरक (बहुविकल्पक) प्रमन पूछे जाएंगे। एकधातीय प्रतिमान (25 प्रतिशत प्रधानता)

एक धातीय आकलन का भिद्वान्त—गाम मानकीक प्रतिष्ठापन—कनिष्ठ वर्ग आकलन—बी०-विलोम का प्रयोग—एकतरफा और दो तरफा वर्गीकृत तथ्य का विश्लेषण—निश्चित, मिश्रित और यादृच्छिक प्रभाव वाले प्रतिमान समाधयण गुणकों के लिए परीक्षण

आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)

अच्छे आकलक के लक्षण—अत्यधिक संभावना, कनिष्ठ ची० वर्ग, आधूर्ण और कनिष्ठ वर्गों को आकलन पद्धतियाँ—अत्यधिक सभावना आकलन क्रैमर राब असमानता—भट्टाचार्य परिसीमाएँ—पर्याप्त आकलन-गुणन खंडन प्रमेय—संपूर्ण आंकड़े—राब—ब्लेकवेल प्रमेय—विश्वास अंतराल—आकलन-इटलम विश्वास परिसीमाएँ।

परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और जटिल परिकल्पना—दो प्रकार की त्रुटियाँ—कांतिक धेन—विभिन्न प्रकार के कांतिक धेन और सरूप धेन—धात फलन—अत्यन्त प्रभावशाली और समान रूप से अत्यंत प्रभावशाली परीक्षण—नेमन, पियरसन आधारभूत लेना—अनुमित अनुपात परीक्षण—स्थाती पुलाक परीक्षण—संभावना अनुपात परीक्षण—वाल्ड का SPRT—OC और ASN फलन—निर्णय के प्राथमिक तत्व और ब्रेल सिद्धान्त—

बहुचर विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुचर मामान्य वितरण—माध्य प्रसारक का आकलन और सहचारिता ब्लूह ट्रोटिलिंग का T<sup>2</sup> स्थैतिक—महलनाविस का D<sup>2</sup> स्थैतिक—बहुचर समान्य जनसंख्या के प्रतिदर्श में आंशिक और बहुल महसंबंध गुणांक—विश्वार्ट का वितरण—उसका प्रतिरूपणात्मक और अन्य स्वभाव—विलक्षण का निकष—विवेचनात्मक फलन—प्रमुख घटक—नियमानुकूल विचर और सहसंबंध—

सांख्यिकी—III

**नोट—** केवल निवंध शैली के प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें सुदीर्घे और जटिल निरूपण आवश्यक न हों।

भाग 'क' (राब के लिए अनिवार्य)प्रतिदर्श प्रविधिया (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना बनाने प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रारंभिक और विस्तृत प्रतिदर्श सर्वेक्षण, प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना सरल यादृच्छिक प्रतिचयन और प्रतिदर्श आबंटन—लागत और विचरण फलन—आकलन की आनुपातिक और समाश्रयी पद्धतियाँ—आकार के समानुपात में प्रायिकता महित प्रतिचयन-संकुल, दुहरा, अहुरुपी, बहुस्तरीय और व्यवस्थित प्रतिचयन—अंतःप्रवेशी उप-प्रतिचयन—प्रतिचयनेतर त्रुटियाँ।

अर्थ सांख्यिकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

मय श्रेणी के घटक-उनके निर्धारण की विधियाँ—विचरण विभेद पद्धति—यूल, म्लस्की प्रभाव—सहसबंध चित्र—प्रथम और द्वितीय क्रम के स्वयंसमाश्रयी प्रतिदर्श—समयावधि चित्र का विश्लेषण-मूल्यों और परिमाणों के सूचकांक और उनके मापेक्षण—थोक ग्रो और खुदरा मूल्यों के सूचकांक की रचना—आय वितरण—पेरिटा और इगेल वक्र-एकाग्रता वक्र—राष्ट्रीय आय का आकलन करने की पद्धतियाँ-खंडातर प्रवाह—अंतर्रौद्रोगिक तालिका।

## भाग (ख)

(उम्मीदवार निम्नांकित विषयों से किसी भी विषय पर प्रश्नों के उत्तर दें सकते हैं।)

(i) सांख्यिकीय गुण नियंत्रण और परिचालन अनुसंधान  
(40 प्रतिशत प्रधानता)

विचारों और गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रक चित्र-गुणों के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—एकल, द्वंद्व, बहुल और शृंखलामूलक प्रतिचयन योजनाएँ—OC और ASN फलन AOQL और ATI की धारणा—विचर के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन डाइजे रोमिंग और अन्य तालिकाओं का प्रयोग।

परिचालन अनुसंधान का अभिगम—रेखांगत कार्यालयों के प्राथमिक तत्व सिप्लेक्स प्रक्रिया—परिवहन और नियोजन समस्याएँ—द्विवार्तकता का नियम—एकल और बहुल आवधिक सूची नियंत्रण के नमूने—ABC विश्लेषण—प्रतीक्षारेखा प्रतिशर्त के लक्षण—M/M/1/M/MC नमूने—आम नकली की समस्याएँ—नष्ट या क्षीण होने वाले तत्वों के प्रतिस्थापन के नमूने।

(ii) जनांकिकी और जनन-मरण आंकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता)

जीवन तालिका उसका निर्माण और लक्षण—मैक्रहम और ग्रामपट्ट वक्र—राष्ट्रीय जीवन तालिकाएँ—राष्ट्र संघ की जीवन तालिकाओं के नमूने—संक्षिप्त जीवन तालिकाएँ—स्थिर और स्थायी जनसंख्या—

विभिन्न जन्म गतियाँ—कुल प्रजनन गतियाँ—कुल और निवल उत्पादन गतियाँ—विभिन्न मरण गतियाँ—मानकीवृत्तमध्य गति—आंतरिक और अंतर-राष्ट्रीय प्रब्रजन—निवल प्रब्रजन—अंतर राष्ट्रीय और जनगणनों से आकलन-वृद्धाती वक्र संमजन सहित प्रक्षेपण विधियाँ—भारत में दशाद्वीय जनगणना

(iii) प्रयोग रूप कल्पना और विश्लेषण (40 प्रतिशत प्रधानता)

प्रयोग रूप कल्पना के नियम—पूर्ण रूप से यादृच्छिक बनाये गये, यादृच्छिक खंड और लैटिन चौक अभिकल्पों का विन्यास और विश्लेषण—क्रमगुणित प्रयोग और 2<sup>nd</sup> और 3<sup>rd</sup> प्रयोगों में संभव—खंड और उपखंड अभिकल्प-संतुलित और अधं संतुलित असंपूर्ण वर्ग अभिकल्पों की रचना और विश्लेषण-सहचारिता का विश्लेषण-लांबिकतेर तंथ्रों का विश्लेषण—लुप्त और मिश्रित व्यूह के तथ्यों का विश्लेषण—

(iv) अर्ध मिति: (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपभोक्ता मांग का सिद्धांत और विश्लेषण—मांग फलन का विशिष्टीकरण और आकलन-मांग की लोच—संरचना और नमूना—एकल समीकरण थीली में प्राचलों का आकलन-परंपरागत अल्पतम वर्ग, साधारणीकृत अल्पतम वर्ग, विप्रदेयता—क्रमागत महण्ड-वहुल समरेखीयता—विचर प्रतिदर्श में वृटियाँ—समकी-निक मध्यीकरण प्रतिदर्श—तदात्मता, वरीयता क्रम और क्रमण परिस्थितियाँ—परोक्ष अल्पतम वर्ग और दो स्तरीय अल्पतम वर्ग—अल्पकालिक आर्थक भविष्य कथन

## भाग 'ख'

## मौलिक परीक्षा

उम्मीदवारों का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके मामने उम्मीदवार का सर्वांगीण जीवनवृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिए व्यक्तित्व की दृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्यार्थ्यों के विशेष विषयों में ही मूल-वूस के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचाराधारों और उन नई खोजों में रुचि ले, जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति ने जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं है अपितु स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजनयुक्त वातालाप की प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

## परिशिष्ट II

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्योरा:—

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिये सफल होंगे, उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड-IV में परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी। जिसकी अवधि दो वर्ष होगी, और इस अवधि को घटाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परिवीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।
2. यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।
3. परिवीक्षा की अवधि या उसकी बढाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिये योग्य नहीं है तो सरकार उसे मुक्त कर सकती है।
4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोष जनक रूप से अपनी परिवीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाये तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियाँ उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जायेगा।

5. भारतीय अर्थ सेवा और भारतीय सांख्यिकी सेवा के निर्धारित बैतनमान निम्नलिखित हैं:

चयन ग्रेड रु० 2000-125/2-2250

ग्रेड-I निदेशक—रु० 1800-100-2000

ग्रेड-II संयुक्त निदेशक रु० 1500-60-1800

ग्रेड-III उप-निदेशक रु० 1100-50-1600

ग्रेड-IV सहायक निदेशक—रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड में पदोन्नति समय समय पर यथासंशोधित भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा नियमों के उपबन्धों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा इनको निपिच्छत अवधि के लिए प्रति नियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों को सेवा की शर्तें तथा छूटी तथा पेंशन अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं ग्रुप 'क' के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगी।

8. भविष्य निधि की शर्तें वही हैं जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों को शर्त के साथ जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

### परिशिष्ट III

#### उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एज्यामिनर्स) के मार्ग निदेशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न भानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हों और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने वी सम्भावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के धेर के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के धेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टेडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांच आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एडियों के पांचों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। यह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियां, पिडलिया, नितन्ब और कधे माप-दण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ दी हैंड लेवल) हारिजेंटल बार (श्रांडो छड़ा) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांच जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते की छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर बूलेड) के निम्न कोणों (इन्फोरियर एंगलस) से लगा रहे और फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न (प्रेक्षण) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट:—अन्तिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जायेगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फैलाव को नोट नहीं करना चाहिए।

६. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी। किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मैडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (वैसिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

(ग) चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा।

दूर की नजर	नजदीक की नजर		
अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	अच्छी आंख खराब आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	
6/9 या 6/9	6/9		
	6/12	जे० I	जे० II

दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो।

(घ) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिये, और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार को ऐसी रोगात्मक दशा हो जोकि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्य कुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(इ) दृष्टि क्षेत्रः—सभी सेवाओं के लिये सम्मुख विधि (कन्फरेंसन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जायेगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असन्तोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पैरा मोटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(झ) रत्नांधी (नाइट ब्लाइन्डनेस्ट) : साधारणतया रत्नांधी दो प्रकार की होती है, (१) विटामिन 'ए' की कमी होने के कारण और (२) रेटीना के शारीरिक रोग के कारण जिसकी आम बजह रेटीनोटिस पिगमेंटीसा होती है। उपर्युक्त (१) में फंडस की स्थिति प्रसामान्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाती है। ऊपर बताई गई (२) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से हो स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रोड होता है खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिये प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (१) और (२) दोनों के लिए अन्धेरा अनुकूलन परीक्षण से स्थिति का पता चल जायेगा। उपर्युक्त के लिये, विशेषतया जब फंडस न हो तो इलेक्ट्रो-रेटीनोग्राफी किये जाने की आवश्यकता होती है। इन दोनों जांचों (अन्धेरा अनुकूलन और रेटीनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है और इसलिये साधारण चैकिटिस्क जांच से इसका पता लगाना संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मन्त्रालय/विभाग को आहिये कि ये बतायें कि रत्नांधी के लिये इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन

व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएँ क्या हैं और उनको डूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएँ (वाक्-यूलर कंडीशन)

(i) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन दृटि (प्रोग्रेमिक रिफ्रेक्टिव एरर) की, जिसके परिणाम स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्य का कारण समझा जाना चाहिये।

(ii) भेगापन (रिफ्रेक्ट) तकनीकी सेवाओं में, जहां दिनेत्री (बाइनाकुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भंगापन को ..... अयोग्यता का कारण समझना चाहिये। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भेगापन की अन्य सेवाओं के लिये अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिये।

(iii) एक आंखः—यदि किसी व्यक्ति की एक ही आंख हो अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि ही सामान्य हो, तो उसका प्रमाण प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहराई बोध हेतु त्रिविम दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पदों के लिये आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशंसित कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य आंखः—

(i) की दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे० 1 चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना हो, बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिये किसी मैरिडियन में दृटि 4 डायोप्ट्रिज से अधिक न हो।

(ii) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो,

(iii) की सामान्य रंग दृष्टि, जहां अपेक्षित हो।

बशर्ते कि बोर्ड का यह समाधान हो जाये कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टेक्ट लैंस—उम्मीदवार को स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टेक्ट लैंस के प्रयोग की आशा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आंख की जांच करते समय दूर की नजर के लिये टाइप किये हुए अक्षरों का उद्यासन 15 फुट की ऊंचाई के प्रकाश से हो।

#### 7. ब्लड प्रैशर :

ब्लड प्रैशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टालिक प्रैशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती हैः—

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में आसत ब्लड प्रैशर लगभग 100 + आयु होता है।

- (ii) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रैशर के आक्लन करने में 110 में आधी आयु जोड़ देने का तरीका बिलकुल संतोषजनक विख्याई पड़ता है।

ध्यान दें:—

सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर के मिस्ट्रालिक प्रैशर की ओर 90 एम० एम० से ऊपर डायस्ट्रालिक प्रैशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले थोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रैशर में बृद्धि थोर्ड समय रहती है या उसका कारण कोई कायिक (आण्विक) ओमारी है। ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्सरे और विचुत हृदलेखी (इलैक्ट्रो-कार्डियोग्राफिक) परीक्षायें और रक्त-यूरिया निकास (किलियरेंस) की जांच भी नैमी रूप से की जानी चाहिये। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

### ब्लड प्रैशर (रक्त धाव) लेने का तरीका

नियमित पारेवाले दावांतरमापी (मक्की मेनोमीटर) किसम का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त धाव नहीं लेना चाहिये। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ हाइजेंटल स्थिति में रोगी के पाईर पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए भुजा पर से कधे तक कपड़े उतार देने चाहिये। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच को रख़ को भुजा के अन्दर की ओर रखकर और उसके नीचे किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगड़ धमनी (ब्रेकिंग्ल आर्टरी) को दबा दबा कर ढूँढ़ा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों बीच स्टेथस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० बी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की अमिक धनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्ट्रालिक प्रैशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जायगी तो धनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर वे साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली धनियां हल्की दबी-हुई-सी लुप्त प्राय हो जायें, वह डायस्ट्रालिक प्रैशर है। ब्लड प्रैशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लग्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोम कर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ाल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर धनियां सुनाई पड़ती हैं, दबाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर

पुनः प्रकट हो जाती हैं)। इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किये गए मूव की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मैडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूव में रसायनिक जांच डारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के शोतक चिक्कों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मैडिकल फिटेनेस के स्टेंडर्ड के अनुरूप पाये तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधु-मेही (नान डायबिटिक) हो और बोर्ड केस की मैडिसिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हों, मैडिकल विशेषज्ञ स्टेंडर्ड ब्लड ग्लूगर ट्रालरेंस ट्रैस्ट समेत जो भी किलिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मैडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मैडिकल बोर्ड को फिट या अनफिट को अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थिति होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाय।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसकी अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मैडिकल प्रेक्टीशनर से आरोग्यता का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए।

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की ओमारी का कोई चिन्ह है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ डारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का डलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या डिपरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की ओमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस मम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है:—

- एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहरा-बहरापन, दूसरा कान सामान्य पन 30 डेसीबेल तक हो तो गैर-न्तकीनीकी काम के लिए योग्य।

2. दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्ववण यव (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक वी स्पीचफिक्वेंसी में बहरापन 30 डेसीबेल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिये योग्य।
3. सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइम के टिमपेंसिक मैम्बरेन में छिद्र (1) एक कान मामान्य हो दूसरे कान में टिमपेंसिक मैम्बरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अस्थायी घोषित करके उग पर नीचे दिये गये नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।
- (ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
- (iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।
4. कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड केविटी में सब नार्मल श्ववण। किसी एक कान के मामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केविटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सब-नार्मल श्ववण वाले कान/मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।
- (i) दोनों ओर से मस्टायड केविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्ववणता श्ववण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधर कर 38 डेमी-बेल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।
5. बहते रहने वाला कान-आप-रेशन किया गया/बिना आप-रेशन वाला तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप में अयोग्य।
6. नायापट की हड्डी सबधी/ विस्पताओं (दोनों डिकार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक को जीर्ण प्रदाहक/ एलर्जिक दण।
- (ii) यदि लक्षणों सहित नायापट अफसरण विधामान हो तो अस्थायी रूप में अयोग्य।
7. टांसिल्स और/या स्वर यंत्र (लेरिक्स) का जीर्ण यंत्र प्रदायक दण।
- (i) टांसिल्स और/या स्वरयंत्र का जीर्ण प्रदाहक दशायोग्य।
- (ii) यदि आवाज में अल्पधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
8. कान, नाक, गले (इ० एन० टी०) के हक्के अथवा अपने स्थान पर दुर्दभ ट्यूमर।
9. आस्टोकिलरोमिस
10. कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष।
- (i) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य।
- (ii) भारी मात्रा में हक्ला हट हो तो अयोग्य।
11. नेजल पोली
- (ख) उम्मीदवार बोलने में हक्लाता/हक्लाती नहीं है।
- (ग) उसके दांत छच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए ज़म्बरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या केफ़े ठीक हैं या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रपचर है या नहीं।
- (छ) उसे हाई ड्रोमीन, बड़ा हुई वेरीक्रेमिल, वेरिकाजशिरा (बैन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसे ग्रंगो, हाथों और पैरों की बनावट और विकास ग्रच्छा है या नहीं और उसकी ग्रथिया भली भाँति स्वतंत्र रूप से हिलती है या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उप्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमज़ोर गठन का पता लगे।

- (ठ) कारगर टीके के निधान है या नहीं।  
 (इ) उसे कोई संचारी (क्युनिकेशन) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की किसी एसी विलक्षता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से जात न हो, सभी मामलों में नयी नेमो रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जाती जानी चाहिए, जहाँ आवश्यक ममक्षा जाए, एक छापा चित्र (एकाय-ग्राम) लिया जाना चाहिए।

सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के संबंध में जहाँ कहीं सन्देह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किये जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक द्वृष्टि अथवा विपथन (तेंरेशन) से पीड़ित होने की संदेश होने से बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल के किसी मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण इयूटी में इससे आधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार ₹ 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। वह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जाएंगे। शेष दूसरों के मामलों में यह जब्त कर लिया जाएगा। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपीलें पेश करनी चाहिए। अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगा और इसका बच्चे उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की जाने वाली यात्राओं के लिए कोई यात्रा भस्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिए मन्त्रिमंडल (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्यवाई की जाएगी।

### मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टेंडर्ड में मन्त्रिमंडल उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए उचित गुजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को प्रिलिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अमाइंटिंग अधिकारी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता

(बाड़िनी उन फार्मिटी) नहीं है जिसमें वा उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य हाल की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रमाण भवित्व में भी उतना ही संबद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अवाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेशन या आदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने वी मलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए, जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतया तीन सदस्य होंगे (i) एक कार्य चिकित्सक (ii) एक शल्य चिकित्सक और (iii) एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथा संभव साध्य समान स्तर के होने चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए विसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाएगा।

भारतीय श्रर्थ सेवा/भारतीय साइबिकी सेवा के उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करने होंगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है या नहीं।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो भोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकता है वहाँ डाक्टरी प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सुचित किए जाने में कोई श्रापति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के मामले उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार ग्रस्थायी तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो दुवारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुवारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अरोप हैं तो तीव्र अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

## (क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

- (1) अपना पूरा नाम लिखें .....  
(साफ प्रथरों में)
- (2) अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं.....
  
2. (क) क्या आप अनुसूचित जन जाति या गोरखा, गढ़बाली, असमिया, नागालैण्ड जनजाति आदि में से किसी जाति से सम्बन्धित हैं, जिसका प्रौसत कद दूसरों से कम होता है 'हा' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हा' में हो तो 'उस जाति का नाम बताइए।
3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (स्लेड्स) का बड़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आमा, दमा, दिल की बीमारी, फैफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरे, रूमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है ?

## प्रथवा

- (ब) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शाया पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आपको चेचक का टीका आखिरी बार कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से को किसी किसम की अधीरता (नवसनेस) हुई ?

6. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित घौरे हैं :

पिता जीवित हो	मृत्यु के	आपके कितने	आपके
तो उसकी आयु	समय पिता	भाई जीवित	कितने
और स्वास्थ्य की	की आयु	हैं, उनकी	भाईयों
अवस्था	और मृत्यु	आयु और	की मृत्यु
	का कारण	स्वास्थ्य की	हो चुकी है,
			उनकी आयु
			और मृत्यु
			का
			कारण।

यदि माता जीवित	मृत्यु के	आपकी	आपकी
हो तो उसकी आयु	समय माता	कितनी	कितनी
और स्वास्थ्य की	की आयु	बहने	बहनों की
अवस्था	और मृत्यु	जीवित हैं	मृत्यु हो
	का कारण	उनकी आयु	चुकी हैं।
		और	मृत्यु के
			समय उनकी
			आयु और
			मृत्यु का
			कारण

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ' में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

10. कब और कहां मेडिकल बोर्ड हुआ ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो.....

म घोषित करता हूं कि जहां तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर.....

मेरे सामने हस्ताक्षर किए.....

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर.....

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि यह नियुक्त हो भी जाए तो वार्धक्य नियूति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउंस) या उपदान (ग्रेच्युटी) के सभी दावों से साथ खो बैठेगा।

.....(उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास :..... अच्छा
- ..... बीच का .....
- ..... कम .....
- घोषण : पता .....
- ..... औसत
- ..... मोटा .....
- ..... कम

जूते उतारकर).....	
वजन .....	अत्युतम
वजन.....	क्या था ?.....
वजन .....	में कोई हाथ ही में हुआ परि-
वर्तन.....	
तापमान :	
छाती का घेर.....	
(1) पूरा सांस खींचने पर.....	
(2) पूरा सांस निकालने पर.....	
(2) त्वचा कोई अहिरा...बीमारी	
(3) नेत्र .....	
(1) कोई बीमारी.....	
(2) रत्नधी .....	
(3) कार विजन का दोष.....	
(4) दृष्टि नेत्र फील्ड आफ विजन.....	
(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्सीटा).....	
(6) फँडस की जांच .....	

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना	चश्मे से	चश्मे की पावर
		गोल	
		सिलि-	
		एक्सीस	

दूर की नजर	दा० ने०
पास की नजर	बा० ने०

हाइपरमेट्रोपिया (अक्षत)	दा० ने०
	बा० ने०

4. कान : निरीक्षण.....	सुनना
	दायां कान.....

5. ग्रंथियां .....	थाई-
राइड.....	

6. दाँतों की हालत .....	
-------------------------	--

7. श्वसन तंत्र (रसपेरटरी सिस्टम) :—	क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांच के अंगों में किसी असमानता का पता लगा है यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्योरा है ।
-------------------------------------	---

8. परिसंचरण तंत्र (सक्युलिटरी सिस्टम)  
(क) हृदय : कोई आंगिक गति (आग्निक लीजन) .....

(रेखा) खड़े होने पर  
25 बार कुदाए जाने के बाद.....

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद.....

बर्लड प्रैशर.....सिस्टालिक  
.....डायस्टालिक

9. उद्धर (पेट) घेर.....स्पर्श

सख्ता हर्तिया.....

(क) दबाकर मालूम पड़ना/जिगर.....  
तिली.....गुदे.....  
ट्युमर .....

(ख) रक्तार्थ  
भगेदार

10. तांत्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक अशक्तता का संकेत

11. चाल तंत्र (सोकोमीटर सिस्टम)  
की असमानता .....

12. जनन मूत्र तंत्र (जेनिटो यूरिनरी सिस्टम).....  
हाइड्रोसील वैरिकासाल आदि का कोई संकेत ।

मूत्र परीक्षा :—

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?  
(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिक ग्रेविटा)  
(ग) एलवुमेन  
(घ) शाक्कर  
(ङ) कास्ट  
(च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती का एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षता पूर्व निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ।

नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9 ।

15. (i) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांस्कृकी सेवा में दक्षता पूर्वक और निरन्तर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया है ?

(ii) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है ?

नोट :—बोर्ड को आपनी जांच परिणाम निम्नलिखित तीन बग्गे में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।
(i) योग्य (फिट)
(ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण.....
.....
(iii) अस्थाई रूप से अयोग्य, जिसका कारण.....
.....
स्थान.....
श्रध्यक्ष.....
तारीख.....
सदस्य .....
सदस्य .....
—
परिशिष्ट-II

### उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका

#### वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको 'वस्तुपरक परीक्षण' कहा जाता है। इस प्रकार की परीक्षा में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा)। आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

#### परीक्षा का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3..... के क्रम से प्रश्न होंगे। हर एक प्रश्न के नीचे..... क्रम में संभावित उत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक उत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। अन्त में दिए गए नमूने के प्रश्न देख लें। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्न के लिए आपको एक ही उत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक उत्तर चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

#### उत्तर देने की श्रवणि

उत्तर देने के लिए आपको अनुग्रह से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पुस्तिका को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नावेशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नावेश के सामने a, b, c, d, e, के नाम से प्रत्युत्तर छोड़े होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर नहीं या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले

आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है।

आपके उत्तर पत्रक में दिए गए उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा। इसलिए यह ज़रूरी है कि

1. आप उसी पेंसिल का प्रयोग करें जो आपको पर्यवेक्षक दें। इमरी पेंसिलों या पेन के द्वारा बनाए गए निशान संभव हैं, मशीन से ठीक ठीक न पढ़ें जाएं।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए।

#### कुछ महत्वपूर्ण नियम :

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से 30 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही आपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा भवन में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नंबर बैन्ड, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या साफ साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर कहीं भी आपको अपना नाम नहीं लिखना है।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेशों आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है, इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपको नंबर कम हो जाए। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविधि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने की कहाँ दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपने प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक रबड़ और नीली या काली स्पाही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या लेखन सामग्री नहीं लानी है व्योंगीकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा, परीक्षण का नाम, अपना रोल नंबर, परीक्षण का विषय और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है, पेंसिल से काला निशान लगाकर उत्तर अंकित करने चाहिए। उत्तर पत्रक पर लाल स्पाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जाचना है, फिर भी यह ज़रूरी है कि आप अपने समय का, बहुत विपायत के साथ, उपयोग करें। मतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ा सकते हैं, वह पर तापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हो तो चिता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पढ़े, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़े और उन कठिन प्रश्नों पर बाढ़ में विचार करें।

चूंकि प्रत्येक प्रश्न के सभाव्य उत्तर दिए होते हैं, इसलिए हो सकता है कि आप जिन प्रश्नों के उत्तर ठीक ठीक नहीं जानते हो उनके बारे में ऊहापोह के चक्कर में पड़ जाएं। अगर आप किसी प्रश्न के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं तो उसे छोड़ देना अच्छा होगा। ऐसे प्रश्नों पर अधा अनुमान लगाने की अपेक्षा उनको छोड़ देने से सभवत आप को अधिक नंबर मिल सकते हैं।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी सूझ बूझ और विश्लेषण क्षमता की परीक्षण हो। आपके लिए यह ताखदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार मरमसी निगाह से देख ले। और इस बात से आश्वस्त हो जाए कि आप अपने विषय जो अच्छी तरह समझते हैं।

विषेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक गे आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दे। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देगे। प्रत्येक परीक्षण पुस्तिका पर हाँगिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए।। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त आप देख ले कि उस पर पुस्तिका की सख्त लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अच्युता उसे बदलवा ले। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सबूँ खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की ऋम सम्ब्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील नोडने को न कहे तब तक आप उसे न तोड़ें।

परीक्षण का समाप्त

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहे, आप लिखना बन्द कर दे। जो उम्मीदवार इस तरह बन्द नहीं करते हैं, वे दड़ के भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहे जब तक निरीक्षक आपके यहा आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाए, और आपको हाथ छोड़ने की अनुमति न दे। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में बाहर ले जाने को अनुमति नहीं है। इस निर्देश का उल्लंघन करने वाले दण के भागी होंगे।

नमूने के प्रश्न

मौर्य वंश के पन्नन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कोन-सा उत्तरदायी नहीं है ?

- अशोक के उत्तराधिकारी मबके मब कमजोर थे।
- शशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- उत्तरी सीमा पर प्रभावणाली मुरक्का की अवस्था नहीं हुई।
- शशोकोत्तर युग में आर्यिक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

## 2 सप्तदीय स्वरूप की सरकार में

- विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका न्याय पालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (c)

## 3 पाठ्याल्पत्र के छात्र के लिए पाठ्योत्तर कार्यकलाप का मुख्य प्रयोजन।

- विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- ग्रनुशासन की समस्याओं को रोकथाम है।
- नियत कथा-कार्य से राहत देना है।
- गिरजक के कार्य कम से विकल्प देना है।

उत्तर (a)

## 4 सूर्य के मबसे निकट प्रह है

- |           |             |
|-----------|-------------|
| (a) गुक्क | (d) बूहसपति |
| (b) गग्न  | (b) वुध     |

उत्तर (d)

## 5 बन ग्रीर बाढ़ के पारम्परिक सब्द को निम्नलिखित में से कौन सा विवरण स्पष्ट करता है ?

- पेड़ पौधे जिन्हे अधिक होते हैं, मिट्टी का अण उत्तना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- पेड़ पौधे जिन्हे कम होते हैं, नदिया उत्तनी ही गाद में भरी होती है जिससे बाढ़ होती है।
- पेड़ पौधे जिन्हे अधिक होते हैं, नदिया उत्तनी ही कम गाद में भरी होती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- पेड़ पौधे जिन्हे कम होते हैं उत्तनी ही धीमी गति से बाढ़ पिछल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (c)

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1978

संकल्प

सं. ई०-11011/10/75-हिन्दी—भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के दिनांक 4 अगस्त, 1976 के समसंध्यक संकल्प का अधिक्रमण करते हुए भारत सरकार ने वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय के लिये हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निश्चय किया है। इस समिति का गठन, कार्य आदि निम्नोक्त होंगे:—

1. वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्री	अध्यक्ष
2. श्री शारिफ बेग, वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री	उपाध्यक्ष
3. श्री कुण्ठ कुमार गोयल, वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री	उपाध्यक्ष
4. श्री परमानन्द ठाकुरवास गोविन्दजीवाला, संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
5. श्री हरगोविन्द वर्मा, संसद सदस्य (लोक सभा)	"
6. श्रीमती मैमूना सुल्तान, संसद सदस्य, (राज्य सभा)	"
7. श्री प्रेम मनोहर, संसद सदस्य, (राज्य सभा)	"
8. अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य तथा उद्योग मंडल परिसंघ, नई दिल्ली	"
9. डा० मे० राजेश्वरराया, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर।	"
10. डा० विजयेन्द्र स्नातक, आचार्य, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।	"
11. श्री मनोहर श्याम जोशी, संपादक, साप्ताहिक हिन्दुस्तान।	"
12. वाणिज्य सचिव	"
13. सचिव, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता विभाग।	"
14. सचिव, राजभाषा विभाग तथा भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार	"
15. अध्यक्ष, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद्	"
16. अपर सचिव वाणिज्य विभाग	"
17. संयुक्त सचिव (प्रभारी, हिन्दी कार्य) नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता विभाग	"
18. संयुक्त सचिव (हिन्दी), राजभाषा विभाग।	"
19. मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रि	"
20. अध्यक्ष, राज्य व्यापार निगम,	"
21. अध्यक्ष, खनिज तथा धातु व्यापार निगम	"
22. अध्यक्ष, व्यापार मेला प्राधिकरण	"

23. महानिदेशक, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
24. कार्यकारी निदेशक, व्यापार विकास प्राधिकरण
25. निदेशक, नियांत्रित निरीक्षण परिषद्
26. मुख्य निदेशक, वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय
27. महानिदेशक, भारतीय मानक संस्था
28. प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम।
29. संयुक्त सचिव/निदेशक (प्रभारी, हिन्दी कार्य), वाणिज्य विभाग।

सदस्य सचिव

2. कार्य

इस समिति का कार्य, सहकारी कार्यों में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित मामलों में मंत्रालय को सलाह देना होगा।

3. कार्य अवधि

समिति का कार्यकाल निम्नलिखित व्यवस्था, के साथ उनके गठन की तारीख से तीन वर्ष का होगा:—

- (1) समिति में नामजद संसद सदस्य जैसे ही संसद सदस्य नहीं रहेंगे तभी वे इस समिति के सदस्य भी नहीं रहेंगे।
- (2) अवधि के बीच में रिक्त हुआ स्थान संबंधित सदस्य के स्थान पर उसके पद पर आने वाले अधिकारी से भरा जाएगा, और वह अधिकारी तीन वर्ष की अवधि के बाकी काल के लिए सदस्य होगा:—

4. विविध

- (1) समिति आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सदस्यों को सहयोगित कर सकेगी और अपनी बैठकों में भाग लेने के लिये विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकेगी अथवा उप-समितियां नियुक्त कर सकेगी।

- (2) समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा लेकिन समिति अपनी बैठकें किसी अन्य नगर में भी कर सकती है।

5. यात्रा व अन्य भत्ता

समिति और इस समिति की उप समितियों की बैठकों में उपस्थित होने के लिये गैर-सरकारी सदस्यों को भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दरों पर यात्रा और दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

आदेश

श्रावण दिवा जाता है कि इस संकल्प को एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियन्तक

और महा लेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार और भारत सरकार के सभी मंत्रालय तथा विभागों को भेजी जायें।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संघाल्य की आग जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

सचिव राज शाह, निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

सं० 4(1)/76-ई० पी० जेड०—केन्द्रीय सरकार वाणिज्य मंत्रालय के सचिव श्री आर० डी० थापर को, श्री पी० सौ० इलेक्ट्रोनिक्स, सचिव, वाणिज्य मंत्रालय के स्थान पर, सांताकुज एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन अधारिटी के अध्यक्ष के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के वाणिज्यिक मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 4(1)/73-ई० पी० जेड० दिनांक 15 फरवरी, 1973 और 10 जून, 1974 में निम्नोक्त अतिरिक्त संशोधन करती है:—

उपर्युक्त अधिसूचना में क्रमांक (1) के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नोक्त प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

“1. श्री आर० डी० थापर,  
सचिव,  
वाणिज्यिक मंत्रालय  
नई दिल्ली।”

सं० 4(1)/76-ई० पी० जेड०—केन्द्रीय सरकार श्री ए० एस० सेठी, निदेशक, वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय को, श्री एन० एस० वैद्यनाथन, के स्थान पर, सांताकुज एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन बोर्ड के सदस्य के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं० 16(2)/73-टी० ए० ई० पी० दिनांक 20 जनवरी, 1973 में निम्नोक्त अतिरिक्त संशोधन करती है:—

उपर्युक्त अधिसूचना में क्रमांक 11 के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नोक्त प्रविष्टि रखी जाएगी:—

“11. श्री ए० एस० सेठी,  
निदेशक,  
वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय—  
सदस्य सचिव”।

सं० 4(1)/76-ई० पी० जेड०—केन्द्रीय सरकार, श्री राजगोपाल, प्रबन्ध निदेशक, महाराष्ट्र राज्य इलेक्ट्रोनिक्स निगम को, सांताकुज एलेक्ट्रोनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन अधारिटी के सदस्य के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के अधिसूचना

सं० 4(1)/73-ई० पी० जेड० दिनांक 15 फरवरी, 1973 में निम्नोक्त अतिरिक्त संशोधन करती है:—

उपर्युक्त अधिसूचना में क्रमांक (12) के बाद निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

“(13) श्री एम० राजगोपाल,  
प्रबन्ध निदेशक,  
महाराष्ट्र राज्य इलेक्ट्रोनिक्स निगम,  
वर्मवाई। सदस्य”

सं० 4(1)/76-ई० पी० जेड०—केन्द्रीय सरकार श्री एम० राजगोपाल, आई० ए० एस० प्रबन्ध निदेशक, महाराष्ट्र राज्य इलेक्ट्रोनिक्स निगम को, सांताकुज इलेक्ट्रोनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन के सदस्य के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्रालय की सभय समय पर यथासंशोधित अधिसूचना संख्या 16(2)/73-टी० ए० ई० पी० दिनांक 20 जनवरी, 1973 में निम्नोक्त अतिरिक्त संशोधन करती है:—

उपर्युक्त अधिसूचना में क्रमांक 14 के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा अर्थात्:—

“15. श्री एम० राजगोपाल,  
प्रबन्ध निदेशक,  
महाराष्ट्र राज्य इलेक्ट्रोनिक्स निगम,  
वर्मवाई। सदस्य”

य० आर० कुलेकर, अवर सचिव

रासायन और उर्वरक मंत्रालय

(रसायन और उर्वरक विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1978

संकल्प

सं० एल० 16013(4)/78-रसा०-II-डैस्क—अधिक राष्ट्रीय उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायता देने के लिये रसायन और उर्वरक उद्योगों के सुवृढ़ विकास को बढ़ावा देने को दृष्टि से केन्द्रीय सरकार ने रसायनों और उर्वरकों पर तत्काल एक सलाहकार समिति का निम्न प्रकार गठन करने का निर्णय किया है:—

गठन

- (क) अध्यक्ष—प्रोटोलियम रसायन और उर्वरक मंत्री।
- (ख) उपाध्यक्ष—प्रोटोलियम रसायन उर्वरक और राज्य मंत्री

(ग) सरकारी सदस्य :

1. सचिव (रसायन और उर्वरक)
2. सचिव (वित्त)
3. सचिव (आयोगिक विकास विभाग)
4. डा० एस० ध्वन, सचिव अन्तरिक्ष विभाग
5. तकनीकी विकास महानिदेशक।
6. कार्यकारी निदेशक, उर्वरक उद्योग समन्वय समिति

(घ) गैर-सरकारी सदस्य :

1. 5 संसद सदस्य (3 लोक सभा के और 2 राज्य सभा के)

- 2 उद्योग के तीन प्रनिनिधि, जिनको अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा।
  3. गैक्षिक संस्थाओं के दो प्रतिनिधि, जिनको अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किया जाएगा।
  4. तीन गैर-सरकारी सदस्य जनता से।
  5. अध्यक्ष भारतीय उर्वरक संगठन।
  6. अध्यक्ष, राष्ट्रीय वातावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान।
- (अ) सदस्य सचिव :

संयुक्त सचिव (उर्वरक)

#### कार्य-काल

गैर-सरकारी सदस्य, समिति के गठन की तारीख से एक वर्ष तक सदस्य रहेंगे। गैर-सरकारी सदस्य का कार्यकाल एक वर्ष से अधिक बढ़ाया जा सकता है।

#### कार्य :—

1. रसायन और उर्वरक उद्योगों के स्तर और कार्य की समय-संगति पर समीक्षा करना।
2. उर्वरकों और आवश्यक रसायनों के उत्पादन, भाग और अन्य प्रवृत्तियों की समीक्षा करना।
3. एकों का अधिक विस्तार और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता के विषेष संदर्भ में रसायन और उर्वरक उद्योगों के विकास के लिये उपायों का सुझाव देना।
4. देशीय प्रौद्योगिकी के विकास की समीक्षा करना और देशीय अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिये नीति का सुझाव देना और और उसके साथ-साथ प्रौद्योगिकी के हस्तातरण तथा उसे अपनाने के लिये अपेक्षित शर्तों की सिफारिश करना।
5. वातावरण संबंधी प्रदूषण को समाप्त करने के लिये उपाय सुझाना।
6. जहां कही रसायन उद्योगों की रुग्णता की आशंका हो उसे रोकने के लिये उपाय सुझाना।

#### कारोबार के नियम :—

- (क) समिति की बैठक एक वर्ष में कभी से घम दो बार होगी।
- (ख) उद्योग की विशिष्ट समस्याओं पर सरकार को सलाह देने के लिये अध्यक्ष, उप-समितियों का गठन कर नहीं है।
- (ग) श्रमिक नीतियों और व्यक्तिगत समस्या समिति के विचारार्थ विषयों के अन्तर्गत नहीं आएंगी।
- (घ) समिति पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के कार्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना कार्य करेगी।

(इ) समिति की सिफारिशें पूर्ण रूप से गलाह के रूप में मानी जायेंगी।

(च) यदि कोई सदस्य किसी विषय को विचार विमर्श के लिये प्रस्तुत करना चाहे तो उसे उस विषय का गंकित विवरण देते हुए रादस्य-सन्निव को एक माह का नोटिस देना होगा।

#### यात्रा भत्ता :—

गैर-सरकारी सदस्यों को समिति की बैठक में भाग लेने के लिये सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित दर पर यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी संबंधितों को दी जाय।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

इस० छृष्णस्वामी, सचिव

#### उद्योग मंत्रालय

(ओद्दोगिक विभाग विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 अंग्रेज़ 1978

#### संकल्प

मं० 25/30/75-आई० सी० सी०—इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 25/30/75-आई० सी० सी० दिनांक 23 जनवरी, 1978 के क्रम में भारत सरकार क्यर उद्योग संबंधी उच्च स्तरीय अध्ययन दल द्वारा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई, 1978 करती है।

2. आदेश दिया जाता है कि आम सूचना के लिये संकल्प की एक प्रति भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाये तथा सभी को इससे अवगत कराया जाये।

जी० बी० रामाकृष्ण, अपर सचिव

#### कृषि और मिचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1978

#### संकल्प

मं० 11-2/77-एन० डी०।—चौधरी रणवीर सिंह, सदस्य राज्य सभा और थी मोहन लाल पिपिल, सदस्य लोक सभा को इस विभाग के दिनांक 2-12-1977 के इसी संख्या के संकल्प द्वारा पुनर्गठित दिल्ली कुघ योजना की शासकीय निकाय में सदस्य के रूप में नियुक्त किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति दिल्ली प्रशासन, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, मंत्रिमण्डल सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक एवं महानेत्रा-परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, वाणिज्यिक तथा लेखा परीक्षकों के निदेशकों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारतीय विद्यालय, स्वास्थ्य सेवा पर्षद, दिल्ली नगर निगम, अध्यक्ष, नगर निगम, नई दिल्ली, महाप्रबंधक, मदर डेयरी, अध्यक्ष, दिल्ली दुर्घट योजना को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को मर्व-संधारण की सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एस० के० हाजरा, उप सचिव

#### सिन्हाई विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च 1978

#### संकल्प

सं० 8/17/74-वि० का० दो०—संकल्प संख्या 8/17/74-वि० का० दो०, दिनांक 30 जनवरी, 1976 में, जिसके द्वारा बाणसागर बोर्ड और उसके अन्तर्गत कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया था, निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं:—

#### बाणसागर नियंत्रण बोर्ड

पैरा-1 इस प्रकार प्रतिस्थापित किया जाता है:—  
मध्य प्रदेश, विहार और उत्तर प्रदेश की सरकारों के साथ परामर्श करके बाणसागर बांध के, जिसमें मध्य प्रदेश के सभी संबंधित निर्माण कार्य शामिल हैं, लेकिन नहर प्रणालियां शामिल नहीं हैं, जिनका क्रियान्वयन मध्य प्रदेश, विहार और उत्तर प्रदेश के संबंधित राज्यों द्वारा किया जाएगा, दक्षतापूर्वक, मित्रशयतापूर्ण और शीघ्र क्रियान्वयन को मुनिश्चित करने के लिये बाणसागर नियंत्रण बोर्ड की स्थापना करने का फैसला किया गया है, इस परियोजना का सम्प्र कार्य-भार, जिसमें उसके तकनीकी ओर विस्तौर पहलू भी शामिल है, इस नियंत्रण बोर्ड के निदेशन के अन्तर्गत किए जाएँगे।

#### कार्यकारिणी समिति

पैरा-8 में प्रविधि (2) (ख) और (क) इस प्रकार प्रतिस्थापित की जाती है:—

(ख) विस्तौर सलाहकार, कृषि और सिंचाई मंत्रालय (सिंचाई विभाग)।

(क) संयुक्त सचिव, (ग० वे०) कृषि और सिंचाई मंत्रालय (सिंचाई विभाग) भारत सरकार।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों और सब शासित धरों, राष्ट्रपति के निजी और सैनिक सचिवों, प्रधान मंत्री कार्यालय, भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार, योजना आयोग तथा केन्द्रीय सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को सूचनार्थ भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए तथा राज्य सरकारों से अनुरोध किया जाए कि वे इसे सार्वजनिक सूचना के लिये राज्य के राजपत्रों में प्रकाशित करें।

सुरेन्द्र बहादुर खान, संयुक्त सचिव

#### ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत् विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1978

#### संकल्प

सं० ब० ता० वि० प० नि० बो०-1(1)/67-ब० ता० वि० प० नि० बो०—बद्रपुर ताप विद्युत् परियोजना का कुशल मित्रव्ययों और शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिये भूतपूर्व सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय के संकल्प संख्या विजली दो०-28(7)/67, दिनांक 23 जून, 1967 के द्वारा बद्रपुर ताप विद्युत् परियोजना नियंत्रण बोर्ड का गठन किया गया था। ऐसे तकनीकी, वित्तीय और अन्य मामलों पर, जो बोर्ड द्वारा समिति को सौंपे जाएं नियंत्रण बोर्ड की ओर में निर्णय लेने के लिये बोर्ड की एक स्थाई समिति भी गठित की गयी थी।

भारत सरकार ने बद्रपुर ताप विद्युत् परियोजना/बद्रपुर ताप विद्युत् केन्द्र का प्रबन्ध 1-4-1978 में राज्यीय ताप विद्युत् निगम (ऊर्जा मंत्रालय, विद्युत् विभाग के अधीन एक सरकारी एप्क्रम) को अन्तरित करने का निर्णय लिया है। अतः यह निर्णय लिया गया है कि उपरोक्त अन्तरित संकल्प के द्वारा गठित बद्रपुर ताप विद्युत् परियोजना नियंत्रण बोर्ड और इसकी स्थाई समिति 1-4-1978 से कार्य करना बन्द कर देंगे।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि उपर्युक्त संकल्प हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों, भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों/प्रधान मंत्री के मंत्रालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, राष्ट्रपति के मंत्रिव, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक तथा दिल्ली प्रशासन को भेज दिया जाए।

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

विनय सिंहा, संयुक्त मंत्रिव

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 18th April 1978

No. 24-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

*Names and ranks of the officers*

Shri Mahabir Prasad Tyagi, (Deceased)  
Inspector of Police,  
Dehra Dun,  
Uttar Pradesh.

Shri Vidya Prakash Awasthi,  
Sub-Inspector of Police,  
Dehra Dun,  
Uttar Pradesh.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

A sensational dacoity was committed in the premises of the State Bank of India, Khatauli on the 16th December, 1975 and the culprits escaped with Rs. 7 lakhs after killing a peon and a bank guard. Investigations revealed that the crime was committed by three residents of Muzaffarnagar. One of them was arrested on the 30th December, 1975 and he gave the names of the other two accused alleged to have been involved. Reliable information was received by Inspector Mahabir Prasad Tyagi on the 1st June, 1976 that the wanted persons were living in Chandigarh under the assumed style of Raja and his Secretary. He rushed to Chandigarh with other police officers in plainclothes. On the 2nd June, 1976 Inspector Mahabir Prasad Tyagi spotted the desperadoes coming out of a hotel in Chandigarh. Since there was no time to forewarn the local police and seek their help, the police officers at the risk to their own lives, took upon themselves the task of apprehending the two accused who were reported to be dangerous criminals involved in various heinous offences including murder and robbery. The police officers disclosed their identity and asked the accused to surrender. One of them immediately took out a knife and was about to assault Shri Mahabir Prasad Tyagi but he caught hold of the right hand of the culprit in a tight grip who then tried to take out a loaded pistol from a trouser pocket with his other hand. Shri J. P. Singh of the police party caught hold of his hand and prevented him from taking out the pistol. In an effort to escape the accused bit deep into the arm of Shri Tyagi and also dashed his head several times on Shri Tyagi's chest due to which he was severely injured. The other accused also tried to take out a pistol from his pocket but was held in a firm grip by Shri Vidya Prakash Awasthi. The accused then tried to evoke public sympathy that they were being kidnapped. The scuffle attracted public attention towards them and police soon arrived and arrested the accused. A sum of Rs. 2,71,668.25 was recovered from them along with a stengun. By this time Inspector Mahabir Prasad Tyagi became unconscious. He was removed to the hospital where he succumbed to his injuries after 17 days.

In this action Shri Mahabir Prasad Tyagi and Shri Vidya Prakash Awasthi showed exemplary courage, initiative, determination and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd June, 1976.

No. 25-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

*Name and rank of the officer*

Shri Ahmadulla Khan, (Deceased)  
Sub-Inspector of Police,  
Madhya Pradesh.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the night of 1st/2nd March, 1976, the Sambhavni Express, which runs between Varanasi and Ahmedabad, left Pama Railway Station in Uttar Pradesh at 1.45 A.M. Suddenly six persons travelling in a two-tier compartment of the train started assaulting and looting the property of the passengers in the compartment. Three of them were armed

with pistols and the others with knives. Sub-Inspector Dev Singh of the Uttar Pradesh Police and Sub-Inspector Ahmadulla Khan of the Madhya Pradesh Police were also travelling in the same compartment. Unmindful of the grave risk the two Sub-Inspectors challenged the dacoits and asked the passengers to face them boldly. Seeing the Sub-Inspectors advancing the dacoits fired at them. Shri Dev Singh fortunately escaped but Shri Ahmadulla Khan was hit by a bullet and died on the spot. The dacoits later stopped the train and escaped with the looted property.

In this incident Shri Ahmadulla Khan displayed great courage, initiative and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 1st March, 1976.

No. 26-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Assam Police :—

*Names and ranks of the officers*

Shri Arun Chandra Dev,  
Company Havildar Major,  
6th Assam Police Battalion,  
Kathal.  
Assam.

Shri Bidhu Bhushan Chakravarty,  
Havildar,  
6th Assam Police Battalion,  
Kathal.  
Assam.

Shri Kutubuddin Borbhuyan,  
Armed Branch Constable No. 560,  
6th Assam Police Battalion,  
Kathal.  
Assam.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 7th December, 1976 information was received about the presence of a gang of armed hostiles in Baruncherrapar district Cachar. Shri Arun Chandra Dev, Company Havildar Major, in-charge of the outpost, immediately organised a raiding party. On reaching the camp of the hostiles he divided his party into three groups, one for assault on the hostiles, another for preventing their escape and a third one for giving covering fire to his own party. Without regard for his personal safety Shri Dev himself led the assault group on the hostiles' well defended positions. As the police party approached, the hostiles opened fire. The police party returned the fire. During the encounter Havildar Bidhu Bhushan Chakravarty saw a hostile hiding in a bush with his rifle aimed towards the police party. With great presence of mind and without regard for his personal safety Shri Chakravarty leapt forward on the hostile's position and succeeded in killing him by firing from his stengun. Shri Kutubuddin Borbhuyan who had been detailed to provide covering fire, on finding that there was a possibility of the hostiles retreating into the dense forest closed in on them in the face of heavy odds, and fired from his stengun inflicting heavy casualties. He succeeded in killing one hostile and thereby enabled the assault group to advance and attack the others. A large number of arms and ammunition were captured.

In this action Shri Arun Chandra Dev, Shri Bidhu Bhushan Chakravarty and Shri Kutubuddin Borbhuyan displayed bravery, courage, determination and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th December, 1976.

No. 27-Pres./78.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to undermentioned officer of the Delhi Police :—

*Name and rank of the officer*

Shri Om Parkash,  
Sub-Inspector No. 264/D  
Delhi Police.  
Delhi. (Officiating)

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 30th April, 1973 Shri Om Prakash was on patrol duty in the Mayapuri Industrial area in connection with Delhi Bandh. He received information at about 10.15 A.M. that a riotous mob had surrounded a Printing Press. As he rushed to the spot he saw the mob setting fire to the building. The owner of the building and the members of his family were trapped in the building. Shri Om Prakash, at the risk of his life, went inside the building and brought out the owner and members of his family one by one and took them to the police vehicles which were waiting outside the building. The infuriated mob attacked the vehicles with stones and lathies but the police party was able to carry the owner of the Press and his family to safety. After the vehicles had left, the mob tried to wreak vengeance on Shri Om Prakash and he was beaten up. Unable to withstand the attack from the violent crowd singlehandedly, he fell to the ground but was saved due to the arrival of police reinforcements.

Shri Om Prakash thus exhibited gallantry, courage, determination and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 30th April, 1973.

K. C. MADAPPA, Secy. to the President

#### PLANNING COMMISSION

New Delhi, the 23rd February, 1978

#### RFSOLUTION

No. II-2/74-IJC.—The Committee for Studies on Economic Development in India and Japan set up vide Planning Commission Resolution No. F.13(39)/62-Adm.I dated the 1st June 1962 and last reconstituted vide Planning Commission Resolution No. 11-2/74-IJC dated the 14th September 1976 has been further reconstituted as follows :—

#### Chairman

Shri Badi-ud-Din Tyabji

#### Member

Shri V. G. Rajadhyaksha

Dr. M. S. Swaminathan

Dr. B. V. Mehta

Shri Charat Ram

Dr. Freddie Mehta

2. Shri R. P. S. Verma, Director, Planning Commission, will be the Secretary of the Committee.

#### ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments, all Chief Ministers of States, all Ministries of the Government of India, the Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat, the Secretary to the President, the Military Secretary to the President and heads of all Indian Missions abroad.

Ordered also that a copy be published in the Gazette of India.

K. K. SRIVASTAVA,  
Jt. Secy.

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

New Delhi-1, the 4th April 1978

#### ORDER

No. 27/26/78-CI.II.—In pursuance of clause (ii) of subsection (i) of Section 209A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby authorises Shri V. P. Kapoor Inspecting Officer in the office of the Regional Director, Company Law Board, Calcutta, for the purpose of the said section 209A.

N. L. PILLAY,  
Under Secy.

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

New Delhi, the 7th April 1978

No. 4/13/78-CS(I).—The President is pleased to appoint the following permanent Grade I officers of the Central Secretariat Service to the Selection Grade of the Service in a substantive Capacity with effect from the date mentioned against each :—

S. No.	Name	Date
S/Shri		
1.	M. P. Rodrigues (M/of Home Affairs)	1-1-1975
2.	K. N. Bhanot (D/Mines)	1-4-1975
3.	R. L. Mohan (D/of Irrigation)	1-5-1975
4.	S. C. Bhatnagar (M/Finance, D/Expenditure)	1-8-1975
5.	M. G. Thomas (O/O the Director/General, Civil Aviation)	1-8-1975
6.	S. D. Chatterjee (M/Defence)	1-11-1975
7.	O. P. Mehra (M/Finance, D/Revenue)	1-10-1976
8.	Harish Chandra (D/Statistics)	1-10-1976
9.	S. S. Pradhan (D/of Irrigation)	1-1-1977

K. L. RAMACHANDRAN,  
Dy. Secy.

New Delhi, the 29th April, 1978

#### RULES

No. 11013/1/77-ES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1978 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

- (i) The Indian Economic Service, and
- (ii) The Indian Statistical Service.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; The Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968, and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 26 years on 1st January, 1978 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1952 and not later than 1st January, 1957.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Schedule Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vii) up to a maximum of three years in a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin

from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

(c) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date viz. 1st January, 1978 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the period of Internal Emergency between 25-6-75 and 21-3-77 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the condition that he should not have sat for i.e. (he should have foregone) the examination at least once during the period between June, 1975 and March, 1977.

Note : Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31-12-1979, not more than one chance will be allowed.

#### SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 1st December, 1978.

Note II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, will be required to submit a 'No Objection Certificate' from the Head of their Office/Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) restoring to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script (s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, for any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled

Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

16. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

Note.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

#### 18. No person :

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix II.

P. G. LELE  
Under Secretary

#### APPENDIX-I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—*Viva Voce* (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

S. No.	Subject	Maximum Marks	Time allowed
<b>A. Indian Economic Service</b>			
1.	General . . .	150	3 hrs.
2.	General Studies . .	150	3 hrs.
3.	General Economics I (Part I and II) . .	200	Part I- 1 hr. } 3 Part II-2 hrs. } hrs.
4.	General Economics II (Part I and II) . .	200	Part I -1hr. } 3 hrs. Part II-2hrs. }
5.	Indian Economics . . (Part I and II) . .	200	Part I-1 hrs. } 3 hrs. Part II-2hrs. }
<b>B. Indian Statistical Service</b>			
1.	General English . .	150	3 hrs.
2.	General Studies . .	150	3 hrs.
3.	Statistics I . .	200	3 hrs.
4.	Statistics II . .	200	3 hrs.
5.	Statistics III . .	200	3 hrs.

Note I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

Note II.—Part I of the paper on subjects at S. Nos. 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

Note III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type question.

Note IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see Candidates' Information Manual at Appendix IV.

Note V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

### 3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

### SCHEDULE

#### PART A

The standard of papers in General English and General studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

#### GENERAL ENGLISH.

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words.

#### GENERAL STUDIES.

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

#### GENERAL ECONOMICS—I

Theory of consumers' demand : Indifference curve analysis, Revealed preference approach.

Theory of production : Factors of production. Production functions. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution : Pricing of factors of production. Theories of rent, wages, interest and profit. Macroe distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare economics : Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment, output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment, Post-Keynesian developments.

#### GENERAL ECONOMICS—II

Concept of economic growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning : Concept and methods. Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics : Theories of international trade, gains from trade. Terms of trade. Trade policy. International trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments. Disequilibrium in balance of payments. Mechanism of adjustments. Foreign trade multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reform, GATT; International aid for economic growth, I.B.R.D. and its affiliates.

Money : Its value and functions. Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical averages and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

#### INDIAN ECONOMICS

Basic features of the Indian economy. Development strategy; Role of agriculture and industry; Role of foreign trade; Concept of balanced growth.

**Planning : Objectives, priorities and problems.** Five year plans. Problem of resource mobilisation.

**Agriculture :** New agricultural strategy; land relations and land reforms; rural credit; role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary occupations and rural industries.

**Cooperation :** its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

**Industry :** Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises: Organisation, management control and accountability, price policy.

**Labour :** Employment, unemployment and under-employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and incomes policy.

**Foreign Trade :** Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

**Money and Banking :** organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve Bank of India. Monetary policy.

**Public Finance :** Fiscal Policy. Growth of public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing. Union-State financial relations.

### STATISTICS I

**NOTE :—ONLY OBJECTIVE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET**

*Probability* (40 percent weight).

Elements of measure theory. Classical definitions and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of  $m$  events out of  $n$ . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variables—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, Cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial, beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants. Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

*Statistical methods* (45 percent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion and skewness. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions. Bivariate normal distribution. Regression-linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of  $\bar{x}$ ,  $S^2$ , t, chi-square and F; tests of significance based on them.

Non-parametric tests—sign, median, run, Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median.

*Numerical Analysis* (15 percent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton (Divided difference), Gauss and Stirling. Euler-Machurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

### STATISTICS-II

**NOTE :—ONLY OBJECTIVE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET**

*Linear Models* (25 percent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least square estimators. Use of inverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests for regression co-efficients.

*Estimation* (25 percent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation methods of maximum likelihood, minimum chi-square, moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator. Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

*Hypothesis testing* (25 percent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

*Multivariate Analysis* (25 per cent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's  $T^2$  statistic, Mahalanobis's  $D^2$  statistic, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

### STATISTICS-III

**Note :—ONLY ESSAY TYPE QUESTIONS, NOT INVOLVING LENGTHY AND COMPLICATED PROOFS, WILL BE SET**

**PART A (Compulsory for all)**

*Sampling Techniques* (35 percent weight)

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster, double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

*Economic Statistics* (25 percent weight)

Components of time series. Methods of their determination—Variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

### PART B

**CANDIDATES WILL BE ALLOWED OPTION OF ANSWERING QUESTIONS ON ANY ONE OF THE FOLLOWING TOPICS**

(i) *Statistical Quality Control and Operations Research* (40 percent weight)

Different kinds of control charts for variables and attributes. Acceptance sampling by attributes—single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge-Roming and other tables.

Operations research approach. Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M/M/1, M/M/C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) *Demography and Vital Statistics* (40 percent weight)

The life table, its construction and properties. Makeham's and Gompertz curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and postcensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) *Design and Analysis of Experiments* (40 percent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding in 2<sup>n</sup> and 3<sup>n</sup> experiments. Split plot designs. Construction and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of nonorthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) *Econometrics* (40 percent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-squares, heteroscedasticity, serial correlation, multi-collinearity, errors in variables model. Simultaneous equation models—Identification, rank and order conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

**PART B**

*Viva Voce*.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study, also in events which are happening around him both within and without his own state of country, as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

**APPENDIX II**

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination:

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instructions and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows:

Selection Grade Rs. 2000—125/2—2250.

Grade I—Director Rs. 1800—100—2000.

Grade II—Joint Director Rs. 1500—60—1800.

Grade III—Députy Director Rs. 1100—50—1600.

Grade IV—Assistant Director Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension for officers of the two Services will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services, Group 'A'.

8. Conditions of Provident are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

**APPENDIX III****REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES**

These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows .—

He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will be lowered to hang loosely by the side, and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidates will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fraction of a half of a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses.

Distance Vision		Near vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9 or 6/9	J-1	J-II

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of vision.*—The field of vision shall be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness.*—Broadly there are two types of night blindness, (1) as a result of vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being *Rettinitis pigmentosa*, in (1) the fundus is normal generally seen in younger age-group and ill-nourished persons, and improves by large doses of Vit. A. in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment, and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical considerations it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other than visual acuity.*—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint.*—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye.*—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is embylypic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit should persons provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and JI near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 diopters for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses.*—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

#### 7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination, of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

#### Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg and then slowly deflated.

The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Some times as the cuff is deflated sounds are heard, at a certain level : they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist ; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

1. Marked or total deafness Fit for non-technical jobs if in one ear, other ear being the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.

2. Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in speech frequencies of 1000 to 4000.

3. Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.

(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.

(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.

(iii) Central perforation both both ears—Temporarily unfit.

4. Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.

(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.

(ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.

5. Persistently discharging ear-operated/unoperated. Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.

6. Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.

(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms. Temporarily unfit.

7. Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.

Chronic inflammatory conditions of tonsils and/ or Larynx—Fit.

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily unfit.

8. Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.

(i) Benign mortus-Temporarily unfit.

(ii) Malignant Tumours-Unfit.

9. Otosclerosis

If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.

10. Congenital defects of ear, nose or throat.

(i) If not interfering with functions—Fit.

(ii) Stuttering, of severe degree—Unfit.

11. Nasal Poly.

Temporarily —Unfit.

(b) that his speech is without impediment.

(c) that his teeth, are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound)

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease,

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g., if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidate may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication.

in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Cabinet Sectt. (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

#### *Medical Board's Report*

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician, (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

#### (a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed

to the warning contained in the Note below :

1. State your name in full (in block letters) .....
2. State your age and birth place.  
(a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamce, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower ? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race. ....
3. (a) Have you ever had small pox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis ?  
OR  
(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ? ....
4. When were you last vaccinated ? ....
5. Have you suffered from any form of nervousness due to overwork or any other cause ? ....
6. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health.	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death

7. Have you been examined by a Medical Board before ? ....
8. If answer to the above is 'Yes' please state what Service/Services, you were examined for ? ....
9. Who was the examining authority ? ....
10. When and where was the Medical Board held ? ....
11. Result of the Medical Board's examination. If communicated to you or if known. ....

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

signed in my presence.....

Signature of the Chairman of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate) ..... Physical Examination

1. General development : Good ..... fair .....  
Poor .....

Nutrition : Thin ..... Average ..... Obese .....  
Height (without shoes) ..... Weight .....

Best Weight ..... When ? ..... any recent  
change in weight ? ..... Temperature, .....

Girth of Chest :

(1) (After full inspiration) .....

(2) (After full expiration) .....

2. Skin : Any obvious disease .....

3. Eyes :

(1) Any disease .....

(2) Night blindness .....

(3) Defect in colour vision .....

(4) Field of vision .....

(5) Visual acuity .....

(6) Fundus examination .....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glass Sph. Cyl. axis.
Distant vision	R.E. L.E.		
Near vision	R.E. L.E.		

4. Ears : Inspection ..... Hearing : Right Ear.....  
Left Ear .....
5. Glands ..... Thyroid .....
6. Condition of teeth .....
7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?.....  
if yes, explain fully .....
8. Circulatory System :  
 (a) Heart : Any organic lesion ?..... Rate  
Standing .....  
After hopping 25 times .....  
2 minutes after hopping .....
- (b) Blood Pressure : Systolic ..... Diastolic .....
9. Abdomen : Girth ..... Tenderness .....
- Hernia .....
- (a) Palpable : Liver ..... Spleen .....
- Kidneys ..... Tumours .....
- (b) Haemorrhoids ..... Fistula .....
10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities .....
11. Loco Motor System : Any abnormality .....
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele, etc.

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance .....
- (b) Sp. Gr. .....
- (c) Albumen .....
- (d) Sugar .....
- (e) Casts .....
- (f) Cells .....

13. Report of Screening X-ray Examination of Chest.....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

Note :— In the case of female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit vide Regulation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service and Indian Statistical Service

- (ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE .....

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) Fit .....
- (ii) Unfit on account of .....
- (iii) Temporarily unfit on account of .....

Place ..... Chairman

Date ..... Member  
Member.

#### APPENDIX IV

#### CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

##### Objective Test

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination you do not write detailed answers. For each question (herein after referred to as item) several possible answers are given. You have to choose one answer (hereinafter referred to as response) to each item.

This manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

##### Nature of the Test

The question paper will be in the form of test booklet. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3...etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, the best response. See sample question at the end. In any case in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

##### Method of Answering

A separate answer sheet will be provided to you in the Examination Hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the test booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, numbers of the items from 1 to 200 have been printed in four sections. Against each item responses a, b, c, d, e are printed. After you have read each item in the test booklet and decided which of the given responses is correct or the best, you have to mark the

rectangle containing the letter of the response by blackening it completely with the pencil as shown in the enclosed specimen answer sheet. Your answer sheet will be scored by an optical scoring machine. It is, therefore, important that—

1. You use only the pencil provided by the Supervisor; the machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark erase it completely and remark the correct response.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate it.

#### *Some Important Rules*

1. You are required to enter the examination hall 20 minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.
5. Write clearly the name of the examination, your Roll No., centre, subject and date of the test and serial number of the test booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring an eraser and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall as they are not needed. A separate sheet will be provided to you for rough work. You should write the name of examination/test, your Roll number and subject of the test and date on it before doing your rough work and return it to the Supervisor alongwith your answer sheet at the end of the test. Answers should be marked by blackening with pencil as indicated above. Red ink should not be used on the answer sheet.

#### *Some Useful Hints*

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

As the possible answers for each question are given, you may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. If you know nothing about a question, better leave it blank. You will get better marks by omitting to answer such questions than by blind guessing.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure UNDERSTAND the subject thoroughly.

#### *Special Instructions*

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the invigilator will give you the test booklet. Each test booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your test booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed; otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your test booklet on the relevant column of the answer sheet. You are not allowed to break the seal of the test booklet until you are asked by the Supervisor to break it.

#### *Conclusion of Test*

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop will be penalised.

After you have finished answering remain in your seat and wait till the invigilator collects the test booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the test booklet and the answer sheet out of the examination hall. Those who violate this direction are liable to be penalised.

#### **SAMPLE QUESTIONS**

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
  - (a) the successors of Asoka were all weak.
  - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
  - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
  - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

2. In a parliamentary form of Government
  - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
  - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
  - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
  - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
  - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
  - (a) facilitate development.
  - (b) prevent disciplinary problems.
  - (c) provide relief from the usual class room work.
  - (d) allow choice in the educational programme.

(Answer—a)

4. The nearest planet to the Sun is
  - (a) Venus.
  - (b) Mars.
  - (c) Jupiter.
  - (d) Mercury.

(Answer—d)

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?
  - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
  - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
  - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
  - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

## (MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES &amp; COOPERATION)

New Delhi, the 11th April 1978

**RESOLUTION**

No. E-11011/10/75-Hindi.—In supersession of erstwhile Ministry of Commerce Resolution of even number dated the 4th August, 1976, the Government of India have decided to reconstitute the Hindi Sahakar Samiti for the Ministry of Commerce, Civil Supplies & Cooperation. Its composition, functions etc. will be as given hereunder :—

## Chairman

1. Minister of Commerce, Civil Supplies & Cooperation.  
Vice-Chairman
2. Shri Arif Beg, Minister of State in the Ministry of Commerce, Civil Supplies & Cooperation.
3. Shri K. K. Goel, Minister of State in the Ministry of Commerce, Civil Supplies & Cooperation.

## Member

4. Shri Permanand Thakurdas Govindjiwala, M.P. (Lok Sabha).
5. Shri Har Govind Verma, M.P. (Lok Sabha).
6. Smt. Maimeena Sultan, M.P. (Rajya Sabha).
7. Shri Prem Manohar, M.P. (Rajya Sabha).
8. Chairman, Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry, New Delhi.
9. Dr. M. Rajeswariah, Professor & Head of Hindi Department, University of Mysore, Mysore.
10. Dr. Vijayendra Snatak, Professor, Hindi Department, Delhi University.
11. Shri Manohar Shyam Joshi, Editor, Saptahik Hindustan.
12. Commerce Secretary.
13. Secretary, Department of Civil Supplies & Cooperation.
14. Secretary, Department of Official Language and Hindi Adviser to the Government of India.
15. Chairman, Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad.
16. Additional Secretary, Department of Commerce.
17. Joint Secretary (Incharge of Hindi work), Department of Civil Supplies & Cooperation.
18. Joint Secretary (Hindi), Department of Official Language.
19. Chief Controller of Imports & Exports.
20. Chairman, State Trading Corporation of India.
21. Chairman, Minerals and Metals Trading Corporation of India.
22. Chairman, Trade Fair Authority of India.
23. Director-General, Indian Institute of Foreign Trade.
24. Executive Director, Trade Development Authority.
25. Director, Export Inspection Council.
26. Chief Director, Vanaspati, Vegetable Oils and Fats.
27. Director-General, Indian Standards Institution.
28. Managing Director, National Cooperative Development Corporation.

## Member-Secretary

29. J.S./Director (Incharge of Hindi work).
2. Functions.

The function of the Samiti will be to advise the Ministry on matters relating to the progressive use of Hindi for official purposes.

## 3. Tenure.

The term of the Samiti will be three years from the date of its formation, provided that,

- (1) A Member of Parliament nominated to the Samiti shall cease to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament.

(2) Any mid-term vacancy shall be filled up by the concerned member's successor in office, who shall be a Member for the residue of the term of three years.

## 4. General.

- (1) The Committee may coopt additional members and invite experts to attend its meeting or appoint sub-committees as may be deemed necessary.
- (2) Headquarters of the Samiti will be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

## 5. Travelling and other Allowances.

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Samiti and the sub-committees of the Samiti at the rates fixed by the Government of India from time to time.

**ORDER**

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, A.G.C.R. and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. R. SHAH,  
Director.

New Delhi, the 12th April 1978

No. 4(1)/76-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri R. D. Thapar Secretary, Ministry of Commerce as Chairman of the Santacruz Electronics Export Processing Zone Authority vice Shri P. C. Alexander, Secretary, Ministry of Commerce and makes the following further amendment in the Government of India, Ministry of Commerce Notification No. 4(1)/73-EPZ dated the 15th February, 1973 and 10th June, 1974.

In the said notification for the entry against serial number (1) the following entry shall be substituted, namely :—

1. Shri R. D. Thapar,  
Secretary,  
Ministry of Commerce, C. S. & Cooperation,  
New Delhi."

No. 4(1)/76-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri A. S. Sethi Director Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation, as member of the Santacruz Electronics Export Processing Zone Board, vice Shri N. S. Vaidyanathan, and makes the following further amendment in the Government of India, Ministry of Foreign Trade Notification No. 16(2)/73-TAEF, dated the 20th January, 1973, Namely :—

In the said notification for the entry against serial number 11, the following entry shall be substituted, namely :—

## —Member-Secretary”

11. Shri A. S. Sethi,  
Director,  
Ministry of Commerce, Civil Supplies  
and Cooperation.

No. 4(1)/76-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri S. Rajgopal, Managing Director, Maharashtra State Electronics Corporation as member of the Santacruz Electronics Export Processing Zone Authority and makes the following further amendment in the Government of India, Ministry of Commerce, Notification No. 4(1)/73-EPZ, dated the 15th February, 1973 :—

In the said notification, after serial No. (xii), the following shall be added, namely :—

## —Member”

- (xiii) Shri S. Rajgopal,  
Managing Director,  
Maharashtra State Electronics Corporation,  
Bombay.

No. 4(1)/76-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri S. Rajgopal I.A.S., Managing Director, Maharashtra State Electronics Corporation as member of the Santacruz Electronics Export Processing Zone Board and makes the following further amendment in the Government of India, Ministry of Foreign Trade Notification No. 16/2/73-TAEP, dated the 20th January, 1973, as amended from time to time.

In the said notification, after serial number 14, the following shall be added, namely :—

"15. Shri S. Rajgopal,  
Managing Director,  
Maharashtra State Electronics Corporation, Bombay.  
Member

U. R. KURLEKAR,  
Under Secy.

**MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS  
DEPARTMENT OF CHEMICALS AND FERTILIZERS**  
New Delhi, the 10th April 1978

**RESOLUTION**

No. I-16013(4)/78-Ch.II/Desk.—With a view to promote the healthy development of the chemical and fertilizer industries to help achieve the larger national objectives, the Central Government have decided to constitute an Advisory Committee on Chemicals and Fertilizers with immediate effect as under :—

**COMPOSITION :**

- (a) Chairman,—Minister, Petroleum, Chemicals and Fertilizers.
- (b) Vice Chairman,—Minister of State, Petroleum, Chemicals and Fertilizers.
- (c) *Official Members :*
  - (i) Secretary (Chemicals and Fertilizers).
  - (ii) Secretary (Finance).
  - (iii) Secretary, Department of Industrial Development.
  - (iv) Dr. S. Dhawan, Secretary, Department of Space.
  - (v) Director General of Technical Development.
  - (vi) Executive Director, Fertilizer Industry Coordination Committee.
- (d) *Non-official Members :*
  - (i) Five Members of Parliament (Three from Lok Sabha and Two from Rajya Sabha).
  - (ii) Three representatives of the industry to be nominated by the Chairman.
  - (iii) Two representatives from Academic Institutions to be nominated by the Chairman.
  - (iv) Three non-official public men.
  - (v) Chairman, Fertilizer Association of India.
  - (vi) Chairman, National Environmental Engg. Research Institute.
- (e) *Member-Secretary :*  
Joint Secretary (Fertilizers).

**TENURE :**

The non-official members will hold office for one year from the date of the constitution of the Committee. The term of a non-official member may be extended beyond one year.

**FUNCTIONS :**

- (i) To review periodically the status and functioning of the chemical and fertilizer industries.
- (ii) To review the production, demand and other trends of fertilizers and essential chemicals.
- (iii) To suggest measures for the development and growth of the chemical and fertilizer industries with special reference to the need for wider dispersal of units and promotion of rural development.

- (iv) To review the status of indigenous technology and suggest the policy framework for promotion of indigenous research and development and recommend *inter alia* the conditions required for transfer and absorption of technology.
- (v) To suggest measures for combating environmental pollution.
- (vi) To suggest measures to prevent sickness in chemical industries wherever it is apprehended.

**RULES OF BUSINESS :**

- (a) The Committee will meet atleast twice in a year.
- (b) The Chairman may constitute sub-Committees to advise the Government on specific problems of the industry.
- (c) Labour policies and personnel problems are outside the terms of the reference of the Committee.
- (d) The Committee will function without prejudice to the functioning of the Consultative Committee of the Parliament for the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers.
- (e) The recommendations of the Committee will be purely advisory in character.
- (f) Any member wanting to bring up a subject for discussion should give a clear notice of one month to the Member-Secretary and state briefly the subject to be discussed.

**TRAVELLING ALLOWANCES :**

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Committee at the rates fixed by Government from time to time.

**ORDER**

Ordered that a copy of the resolution be communicated to all concerned.

Ordered also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. KRISHNASWAMI,  
Secy.

**MINISTRY OF INDUSTRY  
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT**

New Delhi, the 10th April 1978

**RESOLUTION**

No. 25/30/75-ICC.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 25/30/75-ICC, dated the 23rd January, 1978, the Government of India are pleased to extend the date by which the High Level Study Team on Coir Industry is to submit its report, to the 31st July, 1978.

2. Ordered that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India for general information and that it be communicated to all.

G. V. RAMAKRISHNA,  
Addl. Secy.

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)**

New Delhi-1, the 21st March 1978

**RESOLUTION**

No. 11-2/77-1-DI.—Ch. Ranbir Singh, Member, Rajya Sabha and Shri Mohan Lal Pipil, Member Lok Sabha are appointed as members of the Governing Body for Delhi Milk Scheme as reconstituted vide this Department Resolution of even number dated 2-12-1977.

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to the Delhi Administration, All Ministries Department of the Government of India, Cabinet Sectt., Prime Minister's Office, the President's Sectt., the Planning Commission, the Comptroller and Auditor General of India, the A.G.C.R., the Directorate of Commercial Audit, Indian Council of Agriculture Research, the Director General Health Services, Mayor, Delhi

Municipal Corporation, the President, New Delhi Municipal Committee, the General Manager, Mother Dairy, the Chairman, Delhi Milk Scheme.

Ordered also that this Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. K. HAJRA,  
Dy. Secy.

#### DEPARTMENT OF IRRIGATION

New Delhi, the 28th March 1978

##### RESOLUTION

No. 8/17/74-DW-II.—The following amendments are made in Resolution No. 8/17/74-DW-II dated the 30th January, 1976, constituting the Bansagar Control Board and the Executive Committee thereunder :—

##### Bansagar Control Board

Para 1 is substituted as under :—

"In consultation with the Governments of Madhya Pradesh, Bihar and Uttar Pradesh, it has been decided to set up the Bansagar Control Board with a view to ensuring the efficient, economical and early execution of the Bansagar Dam including all connected works in Madhya Pradesh but excluding the canal systems which will be executed by the respective States namely Madhya Pradesh, Uttar Pradesh and Bihar. The Control Board will be in overall charge of the project including its technical and financial aspects. The actual works of construction will be carried out under the direction of the Control Board by the Chief Engineer concerned of the Madhya Pradesh Government."

##### Executive Committee

Entry (2) (b) & (e) in Para 8 is substituted as under :—

- (b) Financial Adviser in the Union Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Irrigation);
- (e) Joint Secretary (Ganga Basin) in the Union Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Irrigation).

##### ORDER

Ordered that this Resolution be communicated to all the State Governments and Union Territories, the Private and

Military Secretaries to the President, Prime Minister's Office, the Comptroller and Auditor General of India, the Planning Commission and all Ministries/Departments of Central Government for information.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India and that the State Governments be requested to publish it in the State Gazette for general information.

S. B. KHARE,  
Jt. Secy.

#### MINISTRY OF ENERGY

(DEPARTMENT OF POWER)

New Delhi, the 31st March 1978

##### RESOLUTION

No. BTP CB-1(1)/67-BTP CB.—The erstwhile Ministry of Irrigation and Power Resolution No. EL-II-28(7)/67 dated 23rd June, 1967, had set up a Badarpur Thermal Project Control Board for ensuring efficient, economic and early implementation of Badarpur Thermal Power Project. Also a Standing Committee of the Board was set up to take decisions on behalf of the Control Board on such technical, financial and other matters as may be delegated to it by the Board.

The Government of India have since decided to transfer the management of the Badarpur Thermal Power Project/Badarpur Thermal Power Station to the National Thermal Power Corporation (a Public Sector Enterprise under the Ministry of Energy, Department of Power) with effect from 1-4-1978. It has, therefore, been decided that Badarpur Thermal Project Control Board and its Standing Committee set up vide Resolution referred to above shall cease to function with effect from 1-4-1978.

##### ORDER

Ordered that the above Resolution be Communicated to the Governments of Haryana and Uttar Pradesh, the Ministries/Departments of Government of India, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Secretary to the President, the Planning Commission, the Controller and Auditor General of India, and Delhi Administration.

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India.

B. SINHA,  
Jt. Secy.